मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित

उत्तरशक्ति

हिन्दी दैनिक

मुंबई
वर्ष: 8 अंक 129
गुरुवार, 20 नवम्बर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

पीएम मोदी ने 9 करोड़ किसानों के खाते में भेजे 18,000 करोड़, जारी की पीएम-किसान की 21वीं किस्त

कोयंबटूर, 19 नवम्बर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को तमिलनाडु के कोयंबटूर में एक समारोह में लाभार्थियों को पीएम-किसान सम्मान निधि की 21वीं किस्त जारी की। नौ करोड़ लाभार्थियों के बैंक खातों में 18,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे हस्तांतरित की गई। प्रधानमंत्री मोदी ने प्राकृतिक खेती प्रदर्शनी का उद्घाटन किया और दक्षिण भारत राष्ट्रीय कृषि शिखर सम्मेलन में भाग लिया। उन्होंने स्थानीय किसानों से मुलाकात की और उनसे बातचीत की, तथा प्रदर्शनी का निरीक्षण किया, जिसमें विभिन्न कृषि उत्पादों के साथ-साथ पौधों और फसलों की वृद्धि दिखाने के लिए एक कोना भी प्रदर्शित किया गया था। प्रधानमंत्री के साथ तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि भी थे।

दक्षिण भारत प्राकृतिक खेती शिखर सम्मेलन 2025, जो 19-21 नवंबर तक आयोजित किया जा रहा है, का आयोजन तमिलनाडु प्राकृतिक खेती हितधारक मंच द्वारा किया जा रहा है। शिखर सम्मेलन का उद्देश्य टिकाऊ, पर्यावरण-अनुकूल और रसायन-मुक्त कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना और भारत के कृषि भविष्य के लिए एक व्यवहार्य, जलवायु-अनुकूल और आर्थिक रूप से टिकाऊ मॉडल के रूप में प्राकृतिक और पुनर्योजी खेती की ओर बदलाव को गति देना है।

शिखर सम्मेलन में किसान-उत्पादक संगठनों और ग्रामीण उद्यमियों के लिए बाजार संपर्क बनाने पर भी ध्यान केंद्रित किया जाएगा, साथ ही जैविक आदानों, कृषि-प्रसंस्करण, पर्यावरण-अनुकूल पैकेजिंग और स्वदेशी तकनीकों में नवाचारों का प्रदर्शन भी किया जाएगा। इस कार्यक्रम में तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल, तेलंगाना, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश के 50,000 से अधिक किसान, प्राकृतिक कृषि व्यवसायी, वैज्ञानिक, जैविक आदान आपूर्तिकर्ता, विक्रेता और हितधारक भाग लेंगे। इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने आंध्र प्रदेश का दौरा किया, जहाँ उन्होंने श्री सत्य साईं बाबा के जन्म शताब्दी समारोह में भाग लिया। सभा को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सेवा के बिना भक्ति, करुणा के बिना ज्ञान और सामाजिक योगदान के बिना कर्म का कोई अर्थ नहीं है।

बिहार में फिर नीतीश सरकार, आज गांधी मैदान में शपथ समारोह

पटना, 19 नवम्बर। बिहार विधानसभा चुनाव में बंपर जीत के बाद आज मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को एक बार फिर से विधायक दल की बैठक में नेता चुन लिया गया। इसका मतलब साफ है कि वह 10वीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने जा रहे हैं। गांधी मैदान में 20 तारीख को वह मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। उनके साथ उपमुख्यमंत्री के तौर पर सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा भी एक बार शपथ लेते हुए दिखाई देंगे। इसके अलावा गठबंधन में शामिल अन्य दलों की ओर से मंत्रियों का भी शपथ ग्रहण होगा। शपथ ग्रहण भव्य तरीके से किया जाएगा। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कई केंद्रीय मंत्री के अलावा भाजपा और एनडीए शासित राज्यों के मुख्यमंत्री भी शामिल होंगे। इससे पहले बुधवार को पटना स्थित अपने आवास पर हुई जनता दल (यूनाइटेड) विधायक दल की बैठक में नीतीश कुमार को सर्वसम्मति से अपना नेता चुन लिया गया। बैठक के बाद जदयू सांसद संजय झा और केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह ने नीतीश कुमार को बधाई दी।

भारतीय जनता पार्टी के नेता सम्राट चौधरी को बिहार में भाजपा विधायक दल का नेता चुना गया, जबकि विजय सिन्हा उपनेता चुने गए। एनडीए ने 2025 के बिहार चुनावों में ऐतिहासिक प्रचंड जीत दर्ज की, जिसमें 243 में से 202 सीटें जीतीं, जबकि महागठबंधन केवल 35 सीटें ही हासिल कर सका। इस गठबंधन ने 243 सदस्यीय बिहार विधानसभा में तीन-चौथाई बहुमत हासिल किया, जो दूसरी बार है जब एनडीए ने राज्य चुनावों में 200 सीटों का आंकड़ा पार किया। 2010 में, इसने 206 सीटें जीती थीं। एनडीए में, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 89 सीटें, जनता दल (यूनाइटेड) ने 85, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) (एलजेपीआरवी) ने 19, हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) (एचएएमएस) ने पांच और राष्ट्रीय लोक मोर्चा ने चार सीटें जीतीं।

विपक्षी दलों में, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने 25 सीटें, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने छह, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) (लिबरेशन) [सीपीआई (एमएल) (एल)] ने दो, भारतीय समावेशी पार्टी (आईआईपी) ने एक और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) [सीपीआई (एम)] ने एक सीट जीती।

ममता बनर्जी ने जलपाईगुड़ी में बीएलओ की मौत के बाद निर्वाचन आयोग पर साधा निशाना

कोलकता, 19 नवम्बर। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को जलपाईगुड़ी के माल क्षेत्र में एक बूथ स्तर अधिकारी (बीएलओ) की मौत पर चिंता व्यक्त करते हुए आरोप लगाया कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) ने क्षेत्र के कर्मचारियों पर अमानवीय दबाव डाल दिया है, जिसके कारण अब तक 28 लोगों की मौत हो चुकी है।

मुख्यमंत्री ने दावा किया कि मृत आंगनवाड़ी कार्यकताबीएलओ के रूप में काम कर रही थी। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत निर्वाचन आयोग की एसआईआर की कवायद के असहनीय दबाव के चलते उसने आत्महत्या कर ली।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक्स पर जारी बयान में 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले निर्वाचन आयोग द्वारा सौंपे गए कार्य की निंदा की और इसे अनियोजित, अथक कार्यभार की संज्ञा दी।

ममता बनर्जी ने आयोग से विवेक से काम करने और इस अभियान को तत्काल निलंबित करने का अनुरोध किया है तथा चेतावनी दी है कि यदि वर्तमान गति से एसआईआर का काम जारी रहा तो और मौतें हो सकती हैं। तृणमूल कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि लंबी ड्यूटी के घंटे, यात्रा संबंधी आवश्यकताओं और समय सीमा पूरी करने के दबाव के कारण कई बीएलओ का स्वास्थ्य खराब हो चुका है। मुख्यमंत्री के आरोपों पर भारत निर्वाचन आयोग की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई।

आया शहनाइयों का मौसम : 11 मुहूर्तों में शहर - गांव में छाई रौनक

◆विवाह उद्योग में 25 हजार से अधिक शादियों का अनुमान, बाजारों में उमड़ा अभूतपूर्व फुटफॉल

सुरेश गांधी

वाराणसी। दीपावली के बाद ठंडी हवाओं के साथ वाराणसी ने फिर वही पुराना सुहाना माहौल महसूस किया, एक ऐसा मौसम जिसमें दूर तक फैलती हल्दी की खुशबू, घर - आँगन में बनते मंडप, सड़क किनारे सजती फूल - मालाओं की दुकानों और गलियों में गूंजती बैंड - बाजा की धुनें लोगों को बता रही हैं कि शादी का सीजन लौट आया है।

22 नवंबर से शुरू हुए शुभ मुहूर्तों के साथ शहर ही नहीं, आसपास के ग्रामीण इलाकों में भी विवाह तैयारियों की हलचल चरम पर है। इस बार नवंबर - दिसंबर में कुल 11 प्रमुख मुहूर्त हैं, जिनमें लगभग 25,000 शादियाँ होने का अनुमान है। मलमास लगने के कारण जनवरी का महीना शांत रहेगा, लेकिन फरवरी - मार्च में एक बार फिर बड़ा विवाह सीजन आएगा।

फिलहाल, नवंबर महीने ने ही बाजार, होटल -गार्डन, इवेंट सेक्टर और परिधान - ज्वैलरी उद्योग को संजीवनी दे दी है। ऐसा लग रहा है मानो दीपावली की चहल - पहल ठीक उसी रफ्तार से नवंबर के विवाह सीजन में समा गई हो। पंडितों के अनुसार, नवंबर के मुहूर्त :22, 23, 24, 25, 27, 29 और दिसंबर के 1, 4, 7, 11 हैं. अब तक के सबसे दौड़तेकृ- भागते विवाह स्लॉट माने जा रहे हैं। अकेले 22, 23, 24 और 25 नवंबर को ही हजारों शादियां प्रस्तावित हैं। यानी शहरी और ग्रामीण - दोनों क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधि इतनी बढ़ गई है कि इसे एक सीजनल इकोनॉमी बूस्ट कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा। एक शादी में परिधान, मेकअप, ज्वैलरी, फोटोग्राफी, कैटरिंग, इवेंट मैनेजमेंट, वाहन किराया से लेकर पंडित, बैंड, टेंट, फर्नीचर, सबके लिए काम निकलता है। अगर प्रति शादी औसत खर्च 3 से 7 लाख भी माना जाए, तो केवल वाराणसी और आसपास में इस विवाह सीजन का आर्थिक प्रभाव 3,000 से 7,000 करोड़ रुपये से कम नहीं बैठता।

शहर के लगभग सभी होटल, बैंक्वेट हॉल, मैरिज लॉन और बड़े गार्डन पूरी तरह हाउसफुल हो चुके हैं। कुछ प्रमुख होटल तो नवंबर के पहले सप्ताह में ही 22 से 29 नवंबर के बीच की सभी तारीखें बुक कर चुके थे। नतीजा यह हुआ कि कई परिवारों को, या तो शादी की तारीख बदलनी पड़ी या फिर अपनी क्षमता से महंगे स्थल लेने पड़े. प्रीमियम पैकेज 20 से 40 फीसदी महंगे होने के बावजूद उपभोक्ताओं की मांग में कोई कमी नहीं आई। इसे सामाजिक व्यवहार का एक ट्रेंड भी माना जा सकता है : शादी में शोभा कम नहीं हो सकती, भले ही महंगाई अधिक हो। गोदौलिया, पीलीकोठी, चौक, लंका, महमूरगंज, सिगरा, कैन्ट, पांडेयपुर सहित हर जगह भीड़ उमड़ रही है। दुकानदारों के अनुसार इस बार फुटफॉल अक्टूबर से तीन गुना है।नवंबर - दिसंबर के विवाह मुहूर्तों ने वाराणसी और आसपास के जिलों में एक बार फिर वह चमक लौटा दी है जो कोरोना काल के बाद खो सी गई थी। बाजारों में जीवन है, दुकानदारों में उत्साह है, ग्राहकों में उमंग है और सामाजिकता में नई ऊर्जा. सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन यह है कि आधुनिकता के बीच वैदिक परंपराएँ फिर लौट रही हैं। विवाह केवल एक रस्म नहीं, बल्कि संस्कृति, अर्थव्यवस्था और सामाजिक एकता का बड़ा उत्सव है। इस सीजन के आंकड़े बताते हैं कि भारत की पारिवारिक और सांस्कृतिक ताकत कितनी गहरी है, जहाँ उत्सव किसी भी परिस्थिति में कम नहीं होते।

निर्वाचन आयोग पर हमलों को लेकर पूर्व न्यायाधीशों और नागरिक समूह ने राहुल गांधी की आलोचना की

नई दिल्ली, 19 नवम्बर। पूर्व न्यायाधीशों, सेवानिवृत्त नौकरशाहों और सशस्त्र बल के सेवानिवृत्त अधिकारियों के एक समूह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा है कि वह बार-बार चुनावी विफलता के कारण हताश होने के चलते निर्वाचन आयोग की गरिमा को धूमिल करने का प्रयास कर रहे हैं। इन 272 हस्तियों ने एक संयुक्त बयान में कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अविश्वसनीय रूप से असभ्य बयानबाजी करते हुए वोट चोरी के आरोपों को लेकर निर्वाचन आयोग पर बार-बार हमला किया है और दावा किया है कि जब अधिकारी आयोग से सेवानिवृत्त हो जाएंगे तो वह उन्हें परेशान करेंगे।

इसमें कहा गया है, फिर भी, ऐसे तीखे आरोपों के बावजूद उनके (राहुल) द्वारा निर्धारित शपथपत्र के साथ कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं की गई है, ताकि वह निराधार आरोप लगाने और अपने कर्तव्य का पालन कर रहे लोक सेवकों को धमकाने के लिए अपनी जवाबदेही से बच सकें। राष्ट्रीय हरित अधिकरण के अध्यक्ष आदर्श कुमार गोयल, पूर्व न्यायाधीश एस एन ढींगरा, न्यायमूर्ति हेमंत गुप्ता, न्यायमूर्ति राजीव लोचन, खुफिया एजेंसी रॉ के पूर्व प्रमुख संजीव त्रिपाठी और राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) के पूर्व निदेशक वाई सी मोदी सहित अन्य ने इस बयान पर हस्ताक्षर किए हैं। बयान में कहा गया है, यह व्यवहार बार-बार चुनावी असफलता और हताशा से उपजे गुस्से को दशार्ता है, जिसमें लोगों से फिर से जुड़ने की कोई ठोस योजना नहीं है।

उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस और अन्य राजनीतिक दलों के कई वरिष्ठ नेता तथा वामपंथी झुकाव वाले गैर-सरकारी संगठन मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण के खिलाफ इसी तरह की तीखी बयानबाजी में गांधी के साथ शामिल हो गए हैं और यहां तक कि आयोग को भाजपा की बी-टीम करार दिया गया है।

बयान में कहा गया है, ऐसी उग्र बयानबाजी भावनात्मक रूप से प्रभावीशाली हो सकती है - लेकिन जांच के दौरान यह ध्वस्त हो जाती है, क्योंकि निर्वाचन आयोग ने अपनी एसआईआर कार्यप्रणाली को सार्वजनिक रूप से साझा किया है, अदालत द्वारा अनुमोदित तरीकों से सत्यापन की निगरानी की है, अयोग्य नामों को हटाया है और नए पात्र मतदाताओं को जोड़ा है।

नहर व्यवस्था सुधार के लिए 95 नई परियोजनाओं को मुख्यमंत्री ने मंजूरी दी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग की विस्तृत समीक्षा बैठक में नहर व्यवस्था को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से 95 नई परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की।

योगी ने कहा कि ये परियोजनाएं प्रदेश के कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाने और किसानों को समयबद्ध सिंचाई उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगी। उन्होंने कहा कि कुल 39453.39 लाख रुपए की लागत वाली इन परियोजनाओं के पूर्ण होने पर 36 हजार हेक्टेयर भूमि में सिंचाई क्षमता पुनर्स्थापित होगी, जिससे लगभग नौ लाख किसान और ग्रामीण आबादी को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा।

नक्सलवाद पर बड़ा प्रहार एक नई सुबह की आहट

-ललित गर्ग

नक्सलवाद अपने अंतिम दौर में है और यह बड़ी उपलब्धि एवं परिवर्तन आकस्मिक नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की सुनियोजित, कठोर और व्यापक रणनीतियों का परिणाम है। वर्षों से जिस समस्या ने भारत के हृदयस्थल को रक्तरंजित किया था, जिस विचारधारा ने दशकों तक विकास, सुरक्षा और मानवीय संवेदनाओं को बंधक बनाए रखा था, वह अब लगभग समाप्ति की कगार पर पहुँच चुकी है। इसका सबसे बड़ा और हालिया प्रमाण है देश के सबसे खतरनाक, खूंखार और रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण माओवादी कमांडर माड़वी हिड़मा का खात्मा, एक ऐसा नाम जिसके आतंक ने न सिर्फ सुरक्षा बलों बल्कि पूरे तंत्र को लंबे समय तक चुनौती दी। सुकमा क्षेत्र में जन्मा हिड़मा, सीपीआई (माओवादी) की केंद्रीय समिति का सदस्य था और पीपल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी की बटालियन-1 का प्रमुख। उसकी मौजूदगी मात्र से बड़े-बड़े हमले अंजाम दिए जाते थे। 2010 का दंतेवाड़ा हो या फिर 2013 का झीरम घाटी हमला, पिछले 20 बरसों में हुए लगभग सभी बड़े नक्सली हमलों के पीछे हिडमा का हाथ माना जाता है। उसने लंबे अरसे तक दंडकारण्य में आतंक का राज कायम रखा। दरभा घाटी नरसंहार तक, सुरक्षा बलों के कई घातक ऑपरेशनों का गुनाहगार हिड़मा रहा। उसकी धमक इतनी थी कि उसके सिर पर 50 लाख से लेकर एक करोड़ रुपये तक का इनाम घोषित था। लेकिन 18 नवंबर 2025 को सुरक्षा बलों के एक अत्यंत सटीक और साहसपूर्ण अभियान में हिड़मा और उसकी पत्नी राजे सहित छह माओवादी ढेर हुए।

मौके से मिली एके-47, पिस्टल, राइफलें और अन्य हथियार यह प्रमाणित करते हैं कि यह ऑपरेशन नक्सलवाद की रीढ़ पर निर्णायक प्रहार है। हिड़मा का अंत प्रतीकात्मक ही नहीं, बल्कि रणनीतिक रूप से भी एक ऐसा क्षण है जिसने नक्सली नेटवर्क को हिला कर रख दिया है। लंबे समय से 'लाल गलियारा' कहे जाने वाले क्षेत्र की गतिविधियाँ जिस तेजी से सिकुड़ रही हैं, वह दशार्ता है कि केंद्र सरकार ने सुरक्षा और विकास दोनों मोर्चों पर जिस दोहरी रणनीति को अपनाया है, उसने वास्तविक जमीन पर असर दिखाया है। मार्च 2026 तक 'नक्सलमुक्त भारत' अभियान के अंतर्गत इस साल 300 नक्सली मारे गए, सैकड़ों गिरफ्तार हुए और आत्मसमर्पण किया-यह आँकड़े बताते हैं कि नक्सलवाद अब अपनी वैचारिक और संगठनात्मक शक्ति खो चुका है। हाल ही में छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में दो दिनों में सैकडों नक्सलियों का आत्मसमर्पण होना यह दशार्ता है कि नक्सल संगठन अब अपने आधार क्षेत्रों में भी समर्थन खो रहा है, और आदिवासी समाज धीरे-धीरे सरकारी विकास योजनाओं की ओर बढ़ रहा है। इसी परिवर्तन का सबसे बड़ा उदाहरण है हिड़मा का खात्मा, जिसने माओवादी कमान में एक ऐसा शून्य पैदा कर दिया है, जिसकी भरपाई उनके लिए आसान नहीं होगी।

आतंकवाद की तरह ही नक्सलवाद भारत की आंतरिक सुरक्षा के लिए एक दीर्घकालिक, गहरी और जटिल चुनौती रहा है। जिस तरह सीमा पार से आने वाला आतंकवाद देश की शांति, विकास और सामाजिक सद्भाव के लिए खतरा बना हुआ था, उसी तरह भीतर से जन्मा नक्सलवाद राष्ट्र-निर्माण की प्रक्रिया को बाधित करता रहा। दशकों तक यह समस्या न सिर्फ कुछ राज्यों के लिए, बल्कि पूरे भारत के लिए चिंता और असुरक्षा का कारण रही। लेकिन अब जिस निर्णायक मोड़ पर देश खड़ा है, वह यह संकेत देता है कि नक्सलवाद अपने अंतिम चरण में है। हाल के वर्षों में लगातार मिल रही सफलताएँ, शीर्ष नक्सली कमांडरों का सफाया, व्यापक आत्मसमर्पण, और प्रभावित क्षेत्रों में तेज विकास-ये सभी इस तथ्य को सिद्ध करते हैं कि देश एक नई सुबह की ओर बढ़ रहा है। यह वह सुबह है जो भारत को भय, हिंसा और पिछड़ेपन से मुक्त कर, स्थायी शांति और तेज विकास की ओर ले जाती है।

नक्सलवाद की जड़ें स्वतंत्रता के बाद की सामाजिक-आर्थिक असमानताओं, भूमि अधिकारों और आदिवासी इलाकों की उपेक्षा में थीं। कई क्षेत्रों में विकास की रोशनी नहीं पहुँची थी, सरकारी योजनाएँ कागजों में रह जाती थीं, और स्थानीय समुदाय प्रशासन के प्रति अविश्वास से भरे हुए थे। इस वातावरण में नक्सली संगठनों को जमीन और जनसमर्थन मिला। उन्होंने वर्ग संघर्ष और हथियारबंद क्रांति के नाम पर हिंसा का मार्ग अपनाया, जंगलों को अपनी ढाल बनाया और आदिवासी युवाओं को अपने साथ जोड़ लिया। धीरे-धीरे यह आंदोलन एक साम्यवादी विचारधारा का रूप लेते हुए देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे खतरनाक चुनौती बन गया। लेकिन समय के साथ यह आंदोलन अपनी मूल विचारधारा से हटकर आतंक, वसूली, शोषण और खून-खराबे का अड्डा बन गया। सुरक्षा बलों पर हमले, विकास कार्यों को बाधित करना, पुलों और स्कूलों को उड़ाना, आदिवासियों को ढाल बनाना, और सत्ता हासिल करने की लालसा-यह सब नक्सलवाद की असलियत बन गया। इस मानसिकता ने न सिर्फ राष्ट्रीय सुरक्षा को चुनौती दी, बल्कि हजारों परिवारों को तबाह किया और लाखों लोगों के जीवन को भय से भर दिया। लेकिन मोदी एवं शाह के प्रयासों से न केवल नक्सलवाद के खात्मे की सफल लड़ाई लड़ी गयी बल्कि नक्सल क्षेत्रों में विकास की योजनाओं को लागू किया गया। सड़क-बिजली-मोबाइल नेटवर्क जैसे क्षेत्रों में काफी काम हुआ है और इससे भी नक्सलियों की पकड़ कमजोर करने में मदद मिली है। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि 2014 से अभी तक नक्सल प्रभावित इलाकों में 12 हजार किमी से ज्यादा सड़कें बनी है, बैंकों की हजार से ज्यादा शाखाएं खोली गई है और स्किल डिवेलपमेंट पर काम किया जा रहा है। इन समन्वित प्रयासों से ही नक्सली जड़ से उखड़ेंगे।

माड़वी हिड़मा जैसे अत्यंत खूंखार और रणनीतिक दिमाग वाले नेता का मारा जाना, नक्सलवाद की रीढ़ तोड़ने जैसा है। हिड़मा न सिर्फ नक्सलियों की सैन्य रणनीतियों का प्रमुख दिमाग था, बल्कि उसकी छवि ने वर्षों तक सुरक्षा बलों में चुनौती की भावना जगाई रखी। नक्सलवाद के कमजोर होने में केवल सुरक्षा अभियानों की भूमिका नहीं है, बल्कि राजनीतिक इच्छाशक्ति सबसे महत्वपूर्ण रही है। जब सरकार ने स्पष्ट किया कि देश को 'नक्सलवाद मुक्त भारत' बनाना है, तो उसके लिए बहु-स्तरीय रणनीति अपनाई गई। एक ओर सुरक्षा बलों को आधुनिक तकनीक, बेहतर प्रशिक्षण और सटीक इंटेलिजेंस से मजबूत किया गया, वहीं दूसरी ओर सड़कें, स्कूल, अस्पताल, दूरसंचार और आजीविका कार्यक्रमों द्वारा विकास को तेज किया गया। विकास और सुरक्षा का यह संयुक्त प्रभाव नक्सलवाद की जड़ों को खोखला करने में निर्णायक सिद्ध हुआ है।

देश के सामने जो नई सुबह उभर रही है, उसका अर्थ सिर्फ यह नहीं कि बंदूकें शांत हो जाएँगी। इसका अर्थ यह भी है कि वे क्षेत्र, जो दशकों से पिछड़े थे, अब देश की मुख्यधारा से जुड़ेंगे। वहाँ निवेश होगा, शिक्षा और स्वास्थ्य का ढांचा मजबूत होगा, पर्यटन और स्थानीय उद्योग को बढ़ावा मिलेगा, और लोग भय-मुक्त होकर जीवन जी पाएँगे। नक्सलवाद के पतन का संदेश यह भी है कि भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था किसी भी हिंसक विचारधारा से अधिक शक्तिशाली है। हथियार, भय और आतंक से सत्ता पाने का कोई भी प्रयास अंततः असफल होता है। जनता की आकांक्षाएँ सदैव विकास, सुरक्षा और शांति की होती हैं। नक्सली आंदोलन की जैसी समाप्ति दिख रही है, वह इस सत्य को और अधिक स्पष्ट करती है। नक्सलवाद की पूर्ण समाप्ति केवल बंदूक से नहीं होगी। इसके लिए आवश्यक है कि सरकार विकास योजनाओं की निरंतरता बनाए रखे, आदिवासी समुदायों को सशक्त करे, स्थानीय संस्कृति और संसाधनों का सम्मान करे, और यह सुनिश्चित करे कि प्रशासनिक व्यवस्था पारदर्शी और संवेदनशील बने। यदि यह निरंतरता जारी रहती है, तो नक्सलवाद का पुनरुत्थान असंभव हो जाएगा। नक्सलवाद का लगभग खत्म होना भारत के लिए सिर्फ एक सुरक्षा उपलब्धि नहीं, बल्कि एक ऐतिहासिक मोड़ है। यह उस संघर्ष का अंत है जिसमें हजारों जवानों ने बलिदान दिया, लाखों नागरिकों ने दशकों तक आतंक सहा, और देश ने विकास की गति रोककर भी सुरक्षा को प्राथमिकता दी। आज जब नक्सलवाद ढह रहा है, तब यह केवल सरकार की सफलता नहीं, बल्कि भारत की सामूहिक विजय है। यह एक नए भारत की सुबह है-शांत, सुरक्षित, विकासशील और आत्मविश्वासी। ऐसी सुबह जो आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को प्रकाश से भर देगी।

क्या अब पूरे देश में शुरू होगी चुनाव पूर्व 'रेवड़ी वितरण' नीति?

-निर्मल रानी

बिहार चुनाव परिणाम आ चुके हैं। परिणामों को लेकर तरह तरह से समीक्षाएँ की जा रही हैं। विपक्ष तो इस चुनाव को जनादेश के बजाये 'ज्ञानादेश ' कहकर चुनाव आयोग की निष्पक्षता व विश्वसनीयता पर ही सीधा सवाल खड़ा कर रहा है। कुछ समीक्षकों की नजरों में धर्म निरपेक्ष मतों के विभाजन के कारण ऐसे परिणाम आये तो कुछ का आंकलन है कि महिला मतों ने चुनाव में निर्णायक भूमिका अदा की। मगर सच तो यह है कि जिसतरह के चुनाव परिणाम आये हैं उसका अंदाजा स्वयं भारतीय जनता पार्टी को भी नहीं था क्योंकि गृह मंत्री अमितशाह ने भी 'अब की बार 160' की विजय सीमा निर्धारित की थी जबकि 202 सीटों पर 'राजग' ने फतेह हासिल की। महिलाओं द्वारा राजग के पक्ष में किये गए बंपर मतदान को लेकर यही कहा जा रहा है कि जिस समय चुनाव की घोषणा के दिन आचार संहिता का सरेआम उल्लंघन करते हुये बिहार में लगभग 1 करोड़ 51 लाख महिलाओं के खाते में 10000 रुपये डाले गए थे उसी समय से यह अंदाजा लगाया जाने लगा था कि चुनाव का रुख नितीश सरकार के पक्ष में जा सकता है। कहा यह भी जा रहा है कि विश्व बैंक से किसी अन्य परियोजना के लिए प्राप्त धनराशि को केंद्र सरकार ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए 'डायवर्ट' किया और उन्हीं पैसों को राज्य की महिला मतदाताओं में बांट दिया गया। यही पैसे लगभग डेढ़ करोड़ महिला मतदाताओं के खाते में 10,000 रुपये प्रति खाते की दर से हस्तानांतरित कर दिये गये। गोया लगभग 40 हजार करोड़ रुपयों की भारी अनुमानित रकम रेवड़ियों की तरह बाँट दी गयी। चुनाव पूर्व 'रेवड़ी आवंटन' का यही फामूर्ला जिसे सीधे शब्दों में पैसे देकर वोट खरीदना भी कहा जा सकता है, पूर्व में मध्य प्रदेश,हरियाणा, महाराष्ट्र, दिल्ली में विभिन्न योजनाओं के नाम पर और अब बिहार में नकद वितरण के रूप में सफलता पूर्वक आजमाया जा चुका है। चुनाव घोषित होने के बावजूद आचार संहिता का सरेआम उल्लंघन करते हुये सरकारी खजाने से लोगों के खातों में बड़ी राशि डालने का सीधा अर्थ है वोट खरीदना। और चिंताजनक यह है कि यह अनैतिक व गैर कानूनी काम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी,भाजपा व उनके सहयोगी दलों द्वारा खुले तौर पर किया गया।

सवाल यह है की पूर्व में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 'रेवड़ी बांटने' के इस चलन को लेकर दिये गये 'प्रवचन ' क्या केवल विपक्ष के लिये ही थे स्वयं उनकी भाजपा या राजग दलों के लिये नहीं ? याद कीजिये जब जुलाई 2022 को लखनऊ में एक कार्यक्रम में मोदी जी फरमाते हैं कि 'ये रेवड़ी बाँटने की संस्कृति देश के लिए बहुत खतरनाक है। जो रेवड़ी बाँट रहे हैं, वो आपके बच्चों का हक मार रहे हैं। यह रेवड़ी संस्कृति देश के विकास को खा जाएगी। फ्री की रेवड़ी बांटकर वोट लेने की होड़ देश को दीवालिया बना देगी। यह आने वाली पीढ़ियों के साथ बहुत बड़ा अन्याय है। प्रधानमंत्री तो मुफ़्त के रेवड़ी कल्चर से इतना आहत थे कि 15 अगस्त 2022 को लाल किले से अपने स्वतंत्रता दिवस के भाषण में भी उन्हें इसका जिक्र करते हुये कहना पड़ा था कि हमें 'रेवड़ी कल्चर से बचना होगा जो देश को तबाह कर देगा। उस समय उन्होंने राज्य सरकारों विशेषकर विपक्ष शासित राज्यों पर निशाना साधते हुए कहा था कि मुफ़्त बिजली, मुफ़्त पानी,मुफ़्त बस यात्रा आदि जैसी योजनाएँ चुनावी लाभ के लिए लाई जा रही हैं, जो राज्यों की आर्थिक स्थिति को कमजोर कर रही हैं। उनकी यह टिप्पणी खासतौर पर उस समय की दिल्ली, पंजाब, पश्चिम बंगाल आदि की गैर बीजेपी सरकारों की मुफ़्त योजनाओं के संदर्भ में की गई थी। परन्तु उपरोक्त योजनाएं जिसे प्रधानमंत्री 'रेवड़ी ' बता रहे थे इसमें बिजली पानी बस यात्रा जैसी सुविधाएँ तो थीं परन्तु बिहार की तरह 10 हजार रुपए बिना किसी योजना के बैंक खतों में डालना, जिसे सीधे तौर पर पैसे देकर वोट खरीदने के सिवा और क्या कहा जा सकता है ऐसी कोई योजना नहीं थी ? फिर मोदी जी का रेवड़ी संस्कृति को लेकर लाल किले तक से रुन्दन करना आखिर बिहार में कहाँ चला गया ? क्या केवल विपक्षी दलों के लिये ही प्रधानमंत्री की ये नसीहत थी ? और इन सबसे बड़ा सवाल अब भविष्य के चुनावों के लिए खड़ा हो गया है कि क्या अब भविष्य के चुनाव का आधार भी चुनाव पूर्व नकद वितरण ही हुआ करेगा ? क्या बिजली, सड़क, पानी, शिक्षा, स्वास्थ, कानून व्यवस्था व भ्रष्टाचार जैसे अनेक जनहितकारी मुद्दे अब चुनावी मुद्दे नहीं हुआ करेंगे ? नैतिक रूप से तो कर्ज मुआफी मुफ़्त बिजली, मुफ़्त पानी, मुफ़्त बस यात्रा जैसी सुविधाएँ देना भी मुनासिब नहीं परन्तु आश्चर्य तो यह है कि प्रधानमंत्री को इस तरह की योजनायें रेवड़ी नजर आ रही थीं तो बिहार में चुनाव के दौरान ही बिना किसी योजना के नकद पैसे बांटकर सीधे तौर पर वोट खरीदना कहाँ की नैतिकता है ? बिहार में सरकार तो जरूर बन गयी है परन्तु सरकार बनाने के लिये मुफ़्त बांटे गये लगभग 40 हजार करोड़ रुपयों के बाद राज्य की आर्थिक स्थिति पर क्या फर्क पड़ेगा, क्या रेवड़ी बांटने वालों द्वारा इसका भी आंकलन किया गया है ? और चुनाव आयोग द्वारा मूक दर्शक बनकर इस अनैतिक व गैर कानूनी काम को देखते रहना क्या सीधे तौर पर यह सन्देश नहीं देता कि यह सारा खेल सत्ता व चुनाव आयोग की सामूहिक मर्जी से रचा गया ?

बिहार के चुनावों में हुई इसतरह की मुफ़्त रेवड़ी बाँट ने भविष्य के चुनावों के लिये एक ऐसा खतरा पैदा कर दिया है जो न केवल देश की अर्थव्यवस्था को संकट में डाल सकता है बल्कि विश्व के उस सबसे बड़े लोकतंत्र के लिये भी खतरा व शर्मिन्दिगी का कारक है जिस पर प्रत्येक भारतवासी नाज करता है। यही भारतीय चुनाव हैं जिसकी व्यापक प्रक्रिया को देखने के लिये प्रायः दुनिया के नेता व अधिकारी आते रहते हैं। क्या अब हम दुनिया को यही बातयेंगे कि भारत में चुनाव नीतिगत आधार पर नहीं होते बल्कि यहाँ वोट खरीदे जाते हैं ? और क्या अब कुर्सी से चिपके रहने के सत्ता की चुनाव पूर्व ' नकद रेवड़ी वितरण' नीति बिहार की ही तरह पूरे देश में शुरू होगी ?

प्रदूषण की कीमतः क्या भारत को चाहिए एक व्यापक प्रदूषण कर?

- डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत आज उस मोड़ पर खड़ा है जहाँ तेज आर्थिक विकास और बिगड़ते पर्यावरण के संकट के बीच संतुलन बनाना अत्यंत कठिन चुनौती बन गया है। शहरों की हवा दिन-प्रतिदिन जहरीली होती जा रही है, नदियाँ औद्योगिक कचरे से भर रही हैं, भूमिगत जल स्तर घट रहा है, ठोस कचरे के पहाड़ महानगरों की पहचान बनते जा रहे हैं, वहीं जलवायु परिवर्तन का प्रभाव कृषि, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था पर प्रत्यक्ष दिखाई दे रहा है। ऐसी स्थिति में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या अब भारत को प्रदूषण फैलाने वालों पर प्रत्यक्ष आर्थिक दंड लगाने—अर्थात विस्तृत प्रदूषण कर लागू करने—की आवश्यकता है?

प्रदूषण कर का विचार नया नहीं, परन्तु इसकी आवश्यकता आज पहले से कहीं अधिक है। अर्थशास्त्र में यह माना जाता है कि जब कोई उद्योग, वाहन या गतिविधि प्रदूषण फैलाती है तो उसका दुष्परिणाम पूरे समाज को भुगतना पड़ता है, न कि केवल उसे जो प्रदूषण फैला रहा है। यह बाजार व्यवस्था की वह गंभीर विफलता है जिसे बाह्य लागत कहा जाता है—अर्थात नुकसान तो समाज को होता है, पर उसका मूल्य न तो वस्तु की कीमत में जुड़ता है, न ही प्रदूषण फैलाने वाला उसे भरता है। ऐसे में प्रदूषण कर इसी असंतुलन को सुधारने का प्रयास करता है, जहाँ जो जितना अधिक प्रदूषण फैलाए, वह उतनी अधिक आर्थिक कीमत चुकाए। भारत में कोयले पर लगाया गया स्वच्छ ऊर्जा उपकर इसका एक प्रारंभिक स्वरूप था, परंतु आज देश में वायु, जल, ध्वनि, ठोस कचरा और औद्योगिक उत्सर्जन का ऐसा मिश्रित संकट है कि केवल किसी एक क्षेत्र पर कर लगाना पर्याप्त नहीं। आवश्यकता एक सर्वसमावेशी और वैज्ञानिक पद्धति से तैयार प्रदूषण कर की है, जो प्रदूषण को कम करने और स्वच्छ विकल्पों को बढ़ावा देने में सहायक हो।

प्रदूषण कर का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह प्रदूषण को महँगा बनाता है और स्वच्छता को सस्ता। जब किसी उद्योग को प्रति इकाई उत्सर्जन पर कर देना पड़ेगा, तो वह स्वाभाविक रूप से ऐसी तकनीक अपनाने की ओर अग्रसर होगा जो कम प्रदूषण करे। यूरोप जैसे क्षेत्रों में यह प्रवृत्ति स्पष्ट दिखाई देती है जहाँ कार्बन-आधारित दंड के बाद ऊर्जा-संरक्षण और हरित तकनीक का उपयोग अत्यधिक बढ़ा। भारत में भी यह परिवर्तन संभव है, बशर्ते नीति दीर्घकालिक, पारदर्शी और लक्ष्य-उन्मुख हो। दूसरा महत्वपूर्ण पहलू यह है कि भारत को आने वाले वर्षों में पर्यावरण-रक्षा और स्वच्छ ऊर्जा पर बड़े पैमाने पर निवेश की आवश्यकता होगी। नदियों की सफाई, स्वच्छ परिवहन व्यवस्था, नवीकरणीय ऊर्जा, प्रदूषण नियंत्रण उपकरण, ठोस कचरे के वैज्ञानिक प्रबंधन तथा हरित भवनों के विकास पर अत्यधिक वित्तीय संसाधनों की आवश्यकता होगी। ऐसे में प्रदूषण कर एक स्थायी और अनुमानित राजस्व स्रोत बन सकता है, जिसे एक स्वतंत्र हरित निधि के माध्यम से केवल पर्यावरण संरक्षण पर व्यय किया जा सकता है। वैश्विक स्तर पर भी प्रदूषण कर का महत्व बढ़ रहा है। कई विकसित देश अब उन आयातित वस्तुओं पर अतिरिक्त शुल्क लगा रहे हैं जो अधिक प्रदूषणकारी स्रोतों से बनती हैं। यदि भारत घरेलू स्तर पर प्रदूषण पर उचित कर लागू करता है, तो भारतीय निर्यातकों को विदेशी बाजारों में अतिरिक्त शुल्क से राहत मिल सकती है। इस प्रकार प्रदूषण कर केवल पर्यावरण-हित में नहीं, बल्कि भारत की निर्यात प्रतिस्पर्धा की रक्षा में भी सहायक सिद्ध हो सकता है।

परंतु इन सबके बीच सबसे बड़ा प्रश्न यह उठता है कि क्या प्रदूषण कर गरीबों पर भारी पड़ सकता है? यह चिंता बिल्कुल वास्तविक है। यदि ईंधन और बिजली की लागत बढ़ेगी, तो उसके साथ ही परिवहन, खाद्य पदार्थ और आवश्यक वस्तुओं की कीमतें भी बढ़ सकती हैं। इसका सीधा प्रभाव निम्न-आय वर्ग पर पड़ता है, जिनके पास विकल्प सीमित होते हैं। इसलिए प्रदूषण कर को न्यायपूर्ण बनाने के लिए यह अनिवार्य होगा कि निम्न-आय वाले परिवारों को प्रत्यक्ष नकद सहायता, ऊर्जा सब्सिडी और रसोई गैस जैसी आवश्यकताओं पर राहत दी जाए।

उद्योग जगत की चिंताएँ भी कम नहीं। विशेषकर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग ऊर्जा-प्रधान होते हैं और किसी भी अतिरिक्त कर का प्रभाव उनकी लागत पर पड़ता है। अतः प्रदूषण कर को चरणबद्ध ढंग से लागू करना होगा—पहले बड़े उद्योगों पर, फिर धीरे-धीरे छोटे उद्योगों को तकनीकी और वित्तीय सहायता के साथ इस दायरे में लाना होगा। हरित मशीनरी पर अनुदान, ब्याज रहित ऋण, और तकनीकी उन्नयन के लिए मार्गदर्शन इस परिवर्तन को सुगम बना सकते हैं।

भारत की प्रशासनिक क्षमता भी एक महत्वपूर्ण कारक है। प्रदूषण का सटीक मापन, डेटा की विश्वसनीयता और निगरानी तंत्र की पारदर्शिता अत्यंत आवश्यक होगी। छोटे उद्योगों और गैर-प्रमाणित स्रोतों की निगरानी आज भी चुनौतीपूर्ण है। यदि उत्सर्जन मापन ही विश्वसनीय न हो, तो कर प्रणाली पर विश्वास नहीं किया जा सकता। इसलिए भारत को आधुनिक सेंसर-तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निगरानी, डिजिटल उत्सर्जन-पंजीकरण तथा रियल-टाइम निगरानी प्रणाली को मजबूत करना होगा।

इसके अतिरिक्त, प्रदूषण कर की सफलता इस बात पर भी निर्भर करेगी कि सरकार इसके राजस्व का उपयोग कहाँ करती है। यदि यह धन सामान्य बजट में विलीन हो गया, तो जनता में अविश्वास बढ़ेगा और नीति का उद्देश्य कमजोर पड़ेगा। इसके लिए एक स्वतंत्र हरित कोष का गठन आवश्यक है, जो केवल प्रदूषण नियंत्रण, स्वच्छ ऊर्जा, हरित परिवहन और पर्यावरण संरक्षण के कार्यों पर व्यय हो तथा जिसकी वार्षिक लेखा-परीक्षा सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हो। राजनीतिक दृष्टि से यह एक साहसिक कदम होगा। किसी भी प्रकार की मूल्य-वृद्धि जनता के बीच असंतोष उत्पन्न कर सकती है। परंतु यह भी सत्य है कि पर्यावरणीय संकट अब इतना गंभीर हो चुका है कि उससे निपटने के लिए कठोर, दीर्घकालिक और दूरदर्शी आर्थिक सुधार आवश्यक हैं। भारत की युवा पीढ़ी सुरक्षित जल, स्वच्छ वायु और स्वस्थ जीवन की मांग कर रही है। इस मांग को नजरअंदाज करना अब संभव नहीं।

अंततः यह कहा जा सकता है कि प्रदूषण कर भारत के लिए केवल राजस्व-संग्रह का साधन नहीं, बल्कि एक व्यापक हरित परिवर्तन की दिशा में आवश्यक कदम है। इसे न्यायपूर्ण, पारदर्शी, चरणबद्ध और वैज्ञानिक आधार पर लागू करने से भारत न केवल प्रदूषण कम कर पाएगा, बल्कि अपने विकास मॉडल को भी टिकाऊ, स्वस्थ और पर्यावरण-सम्मत बना सकेगा। यदि इसे सही नीतिगत ढंग से लागू किया गया, तो यह भारत के इतिहास में वह मोड़ साबित हो सकता है जहाँ देश ने आर्थिक विकास और पर्यावरणीय संरक्षण को एक-दूसरे का विरोधी नहीं, बल्कि सहयोगी सिद्ध किया।

भारत विश्व के उन देशों में है जहाँ वायु, जल और मिट्टी का प्रदूषण तीव्र स्वास्थ्य संकट का रूप ले चुका है। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा जारी सबसे प्रदूषित नगरों की सूची में भारत के अनेक नगर शामिल हैं। जल-प्रदूषण से प्रतिवर्ष लाखों लोग रोगग्रस्त होते हैं। दूसरी ओर, स्वच्छ ऊर्जा, हरित अवसंरचना और प्रदूषण नियंत्रण हेतु सरकार के पास पर्याप्त वित्तीय संसाधन नहीं। ऐसे समय में प्रदूषण कर—अर्थात प्रदूषण फैलाने पर आर्थिक दंड—को एक समुचित समाधान के रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि इससे प्रदूषण में कमी और पर्यावरण-रक्षा के लिए स्थायी राजस्व दोनों प्राप्त हो सकते हैं।

भारत-अमेरिकी बनते बिगड़ते राजनीतिक-व्यापारिक समीकरण

संजीव ठाकुर

अमेरिका और भारत के संबंधों का इतिहास अत्यंत गहरा रहा है, किंतु डोनाल्ड ट्रंप के 47वें राष्ट्रपति बनने के बाद इन संबंधों की दिशा अप्रत्याशित रूप से बदलती हुई दिखाई देने लगी है। अमेरिका, जिसकी बुनियाद 1789 में जॉर्ज वाशिंगटन के नेतृत्व में पड़ी, और जिसने जॉन ऐडम्स, थॉमस जेफरसन, जेम्स मैडिसन जैसे संतुलित, प्रखर और दूरदर्शी राष्ट्रपतियों को देखा, तथा जिसने अब्राहम लिंकन जैसे 16वें राष्ट्रपति को जन्म दिया, जिन्होंने दास-प्रथा के उन्मूलन और राष्ट्रीय एकता के लिए अपना जीवन न्योछावर कर दिया उसी अमेरिका की वर्तमान नीति अब एक तीखे मोड़ पर खड़ी दिखाई देती है। ट्रंप अपने पहले कार्यकाल में भी विवादों के केंद्र में रहे थे, किंतु दूसरे कार्यकाल में तो उन्होंने वैश्विक व्यापार, कूटनीति और साझेदारी की पारंपरिक परिभाषाओं को ही बदलने का प्रयास कर दिया। ट्रंप, जो मूलतः व्यापारिक पृष्ठभूमि से आते हैं, अपने निर्णयों में अक्सर वही कठोरता और व्यावसायिक दुराग्रह प्रदर्शित करते हैं जो किसी निजी कंपनी का मालिक कर सकता है। इसी सोच के चलते उन्होंने दुनिया के अनेक देशों पर भारी आयात-शुल्क (टैरिफ) लगाकर आर्थिक अस्थिरता को नई ऊंचाई दी। भारत पर 25% और फिर उसे बढ़ाकर 50% तक टैरिफ लगाने की घोषणा ने न केवल भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों को झटका दिया, बल्कि विश्व-अर्थव्यवस्था में व्यापक चिंता और बेचैनी भी पैदा की। भारत पारंपरिक रूप से अमेरिका का विश्वसनीय व्यापारिक साझेदार रहा है। भारत अमेरिका से रक्षा-सामग्री, तकनीक और अन्य आवश्यक वस्तुएं खरीदता रहा है, वहीं अमेरिका भारत से जेनेरिक दवाओं, इंजीनियरिंग वस्तुओं, कपड़ा-उद्योग, रत्न-जवाहरात और समुद्री उत्पादों का सबसे बड़ा आयातक रहा है। बराक ओबामा के समय यह संबंध अपने शिखर पर पहुंचा, जो बाइडेन के कार्यकाल और ट्रंप के पहले कार्यकाल में भी यह विश्वास बना रहा। किंतु जनवरी 2025 के बाद जैसे ट्रंप का रवैया अचानक बदल गया हो। उन्होंने भारत द्वारा रूस से भारी मात्रा में कच्चा तेल आयात करने को मुद्दा बनाकर यह आरोप लगाया कि भारत अमेरिकी हितों की अनदेखी कर रहा है। इस नाराजगी का परिणाम भारत के खिलाफ भारी टैरिफ के रूप में सामने आया।

हैरानी की बात यह है कि ट्रंप ने चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे देशों पर अपेक्षाकृत बहुत कम, मात्र 12% से 20% तक टैरिफ लगाए, जिससे भारत में यह संदेश गया कि अमेरिका किसी विशेष रणनीतिक उद्देश्य से भारत को आर्थिक दबाव में लाना चाहता है। भारत ने स्पष्ट शब्दों में यह कहा कि 142 करोड़ की भारतीय जनता और भारतीय उद्योगों के साथ किसी भी प्रकार का अन्याय स्वीकार नहीं किया जाएगा। भारत ने संकेत दिया कि वह अपनी कूटनीतिक और आर्थिक स्वतंत्रता से समझौता नहीं करेगा। इसी परिवेश में भारत ने रूस के साथ अपने संबंधों को नए आयाम देने की पहल की।

भारत ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को दिसंबर 25 में भारत आने का निमंत्रण देकर यह संदेश दिया कि भारत की विदेश नीति किसी एक देश पर निर्भर नहीं है। इसके समानांतर भारत के प्रधानमंत्री की चीन यात्रा ने वैश्विक कूटनीतिक हलकों में हलचल पैदा कर दी। भारत-चीन संबंध विवाद और मतभेदों के बावजूद विश्व-व्यापार में अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। यदि भारत और चीन व्यापारिक मामलों में साझेदारी बढ़ाते हैं, तो यह अमेरिका के लिए एक बड़ी रणनीतिक चुनौती बन सकता है, क्योंकि चीन पहले से ही अमेरिका के व्यापार युद्ध का प्रमुख निशाना है। इस पूरे समीकरण में ब्राजील का जुड़ना भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। अमेरिका द्वारा ब्राजील पर भी 50% टैरिफ लगाने की घोषणा के बाद ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा ने भारत के प्रधानमंत्री से टेलीफोन पर लंबी वार्ता की, जिसने इमर्जिंग ब्लॉक को और मजबूत संकेत दिया। अब स्थिति यह है कि भारत, रूस, चीन और ब्राजील एक प्रकार से एक नए आर्थिक और सामरिक गठजोड़ की दिशा में बढ़ते दिख रहे हैं, जिसे अनेक विशेषज्ञ राजनीतिक-आर्थिक धुरी के रूप में देखते हैं। अमेरिका इस संभावित गठबंधन से स्वाभाविक रूप से असहज है। इससे उसकी डॉलर-आधारित वैश्विक आर्थिक प्रभुता को चुनौती मिल सकती है। ट्रंप की चिंता का कारण सिर्फ यही नहीं है; उनका झुकाव टेस्ला और एलन मस्क जैसे बड़े अमेरिकी उद्योगपतियों के प्रति भी रहा है, और यही मस्क अब ट्रंप के इस आक्रामक व्यापार युद्ध से असंतुष्ट बताए जा रहे हैं। ट्रंप की नीतियों ने अमेरिका के भीतर भी उद्योगपतियों को बांट दिया है। कई कंपनियां खुलकर कह रही हैं कि इतनी अधिक टैरिफ नीति से अमेरिकी उपभोक्ताओं पर बोझ बढ़ेगा और घरेलू उद्योग को कच्चे माल की कमी से संघर्ष करना पड़ेगा। विदेश में उन्होंने इतने देश नाराज कर लिए हैं कि अमेरिका की पारंपरिक साझेदारियों में दरारें पड़ने लगी हैं। इसके समानांतर, अमेरिका अब पाकिस्तान को अपना नया रणनीतिक सहयोगी बनाने की कोशिश कर रहा है।

दूसरी तरफ पाकिस्तान आर्थिक संकट से जूझ रहा है और अमेरिका की ओर आशा-भरी निगाहों से देख रहा है। अमेरिका बलूचिस्तान में सामरिक अड्डा बनाकर चीन-पाकिस्तान आर्थिक कॉरिडार को कमजोर करने का प्रयास कर रहा है। इससे दक्षिण एशिया में भू-राजनीतिक स्थिति और जटिल हो गई है। यह पूरा माहौल भारत के लिए भी चुनौतीपूर्ण है और अवसरपूर्ण भी। भारत को अब यह तय करना है कि वह इस अमेरिकी आर्थिक दबाव के सामने कैसी रणनीति अपनाएगा। क्या भारत अन्य टैरिफ लगाकर अमेरिका को जवाब देगा? क्या भारत ब्रिक्स ब्लॉक के साथ और निकटता से जुड़ेगा? क्या भारत चीन के साथ सीमा विवाद अलग रखकर आर्थिक सहयोग बढ़ाएगा? क्या भारत रूस से ऊर्जा-सहयोग को और मजबूत करेगा? इन सभी प्रश्नों के उत्तर आने वाले महीनों की कूटनीति तय करेंगे। यह स्पष्ट है कि यह सिर्फ एक आर्थिक विवाद नहीं है; यह वैश्विक शक्ति-संतुलन का नया स्वरूप है। यदि भारत, रूस, चीन और ब्राजील मिलकर एक साझा व्यापारिक मोर्चा बनाते हैं, तो अमेरिका को पहली बार यह महसूस होगा कि विश्व-व्यवस्था अब एकध्रुवीय नहीं रही। भारत के लिए यह समय अत्यंत सूझबूझ, आत्मनिर्णय और बहुमुखी कूटनीति का है। अमेरिका भले ही दुखदाई मित्र बन गया हो, पर भारत ने यह दिखा दिया है कि वह किसी भी दबाव में नहीं आएगा और अपनी जनता तथा उद्योगों के हितों को सर्वोपरि रखेगा। आर्थिक विश्व युद्ध कितना लंबा चलेगा और इसका परिणाम क्या होगा, यह वक्त बताएगा, किंतु यह निश्चित है कि भारत अब उस नई वैश्विक शक्ति-व्यवस्था में एक निर्णायक भूमिका निभा रहा है, जहां मित्रता भावनात्मक नहीं, बल्कि रणनीतिक और आर्थिक हितों पर आधारित होगी।

कांसे का फुट मसाजरः कई रोगों में है लाभकारी

उदयपुरवाटीः आयुर्वेद में शरीर की प्राकृतिक ऊर्जा को संतुलित बनाए रखने के लिए कई उपचार विधियाँ बताई गई हैं,जिनमें से एक है कांसे के फुट मसाजर से तलवों की मालिश।यह प्राचीन तकनीक आज फिर से चर्चा में है और भाग दौड़ भरी जिंदगी में यह लाभदायक सिद्ध हो रही है तथा इसके नियमित प्रयोग से अनेक रोगों में राहत मिल रही है।आपको बता दें मसाजर का इस्तेमाल करने से पहले अपने पैरों को कुछ मिनट के लिए गर्म पानी में दुबई या उन पर फुट स्प्रे करें ताकि रक्त संचार बेहतर होता है और मालिश शुरू करने से पहले मांस पेशियां को आराम मिलता है।

कांसा यानी स्वास्थ्य की धातु

कांसा एक मिश्र धातु है,जो मुख्य रूप से तांबे और टिन से बनता है। आयुर्वेद में इसे त्रिदोष नाशक भी माना गया है,यानी यह वात, पित्त और कफ – तीनों दोषों को संतुलित करता है।

किन रोगों में फायदेमंद?

कांसे के फुट मसाजर से की गई मालिश शरीर के अनेक विकारों को दूर करने में सहायक हैः तनाव, चिंता व अनिद्रा-पैर के तंत्रिका बिंदुओं पर दबाव डालकर मानसिक शांति देता है। थकान व कमजोरी- शरीर में ऊर्जा का संचार करता है।

डायबिटीज से जुड़ी जलन व सुन्नपन -रक्त प्रवाह बढ़ाकर राहत देता है।

पाचन संबंधी समस्याएं -मालिश से जठराग्नि सक्रिय होती है।मेटाबॉलिज्म में सुधार होता है।

सिरदर्द व माइग्रेन- तलवों की मालिश सिरदर्द में आश्चर्यजनक लाभ देती है।

त्वचा रोग व हार्मोन असंतुलन-कांसा शरीर से विषैले तत्व निकालने में सहायक है।

कैसे करें उपयोगः 1. कांसे के मसाजर के साथ तिल का तेल या देसी घी लें।गर्मियों में नारियल तेल। 2. रात को सोने से पहले या थकान के बाद पैरों के तलवों की 10-15 मिनट मालिश करें। 3. मसाज के बाद हल्के गुनगुने पानी से पैर धो लें।

आपको बता देवे कि यह उपचार साइड इफेक्ट-फ्री है और बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी के लिए लाभकारी भी है। शारीरिक और मानसिक शांति के लिए यह एक सरल और घरेलू उपाय है।

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में कांसे का फुट मसाजर सिर्फ एक औजार नहीं,बल्कि एक आसान प्राकृतिक थैरेपी है। यह हमें हमारे शरीर की देखभाल की एक सस्ती,सरल और प्रभावशाली पद्धति सिखाता है। स्वास्थ्य की दृष्टि से इसके उपयोग को बढ़ावा देना आज की आवश्यकता है और आयुर्वेद की पुरातन विद्या का प्रचार भी। –डॉ. राजेंद्र कुमावत चिराना, वरिष्ठ आयुर्वेद चिकित्सक

सेक्स रॅकेट मे वांटेड आरोपी को नवघर पोलिस ने किया गिरफ्तार

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर में आज नवघर पुलिस स्टेशन भायंदर ईस्ट के केस न० 531/2025, इठर 143(3),3(5) व पीटा एक्ट 4,5 की धाराओं में वांटेड एक महिला आरोपी को नवघर पुलिस स्टेशन की टीम ने गिरफ्तार किया। महिला आरोपी 5 साल से ठाणे डोंबिवली और उल्हासनगर में ग्राहकों को लडकियां भेजकर वेश्याव्यवसाय का कारोबार चला रही थी। पीटा एक्ट में वांटेड आरोपी को एमबीवीवी आयुक्तालय के वरिष्ठ अधिकारीयो, तथा नवघर पुलिस स्टेशन के सिनियर पीआई धीरज कोली, और पीआई तृप्ति देशमुख मैडम, के मार्गदर्शन में पीएस आई संदीप व्हसकोटी, एचसी रविकांत व्हनमारे, प्रदीप काटकर, महिला पुलिस व नवघर पुलिस स्टेशन की टीम ने संयुक्त रूप से किया कारवाई।

केडीएमसी ने भवन अनुमति के लिए वन-विंडो सिस्टम लॉन्च किया

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण-डोंबिवली महानगर पालिका (केडीएमसी) ने भवन अनुमति प्रक्रिया को सरल और डिजिटल बनाने के लिए नई वन-विंडो सिस्टम की शुरूआत की है। इस प्रणाली से फायर, वाटर एवं सीवरेज, गार्डन और टैक्स विभाग की सभी आवश्यक एनओसी अब एक ही ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होंगी, जिससे प्रक्रिया तेज, पारदर्शी और नागरिक-अनुकूल बनेगी। इस प्रणाली में समयबद्ध मंजूरी, ऑटो-एस्कलेशन, रियल-टाइम ट्रैकिंग और दस्तावेजों का मानकीकरण शामिल है, जिससे कागजी कार्यवाही में बड़ी कमी आएगी। यह मंच प्रॉपर्टी टैक्स डेटाबेस, ऑनलाइन पेमेंट गेटवे और स्वचालित वर्कफ़्लो से एकीकृत है, जिससे मानवीय हस्तक्षेप कम होगा और दक्षता बढ़ेगी। राज्य की ईज ऑफ डूइंग बिजनेस नीतियों और स्मार्ट सिटी मिशन के अनुरूप यह सुधार अनुमोदन प्रक्रिया में तेजी लाएगा, शहरी नियोजन को मजबूत करेगा और निवेशकों का विश्वास बढ़ाएगा। नागरिकों और डेवलपर्स की सहायता के लिए केडीएमसी हेल्पडेस्क, हेल्पलाइन और जागरूकता सत्र भी आयोजित करेगा। केडीएमसी प्रवक्ता ने बताया की, वन-विंडो सिस्टम से मंजूरी में लगने वाला समय कम होगा और पूरी प्रक्रिया अधिक पारदर्शी व सुविधाजनक बनेगी।

कल्याण पूर्व में शिवसेना द्वारा बचत गट की महिलाओं के लिए मार्गदर्शन शिविर

◆विधानसभा संपर्क प्रमुख गायकवाड़ की पहल

कल्याण (उत्तरशक्ति)। बचत गट के माध्यम से कल्याण पूर्व की महिलाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से शिवसेना के विधानसभा संपर्क प्रमुख महेश गायकवाड़ की पहल पर बचत गट की महिलाओं के लिए मार्गदर्शन शिविर का आयोजन हुआ। तिसगांव स्थित आई तिसाई मैरेज हाल में संपन्न हुए इस समारोह में कल्याण पूर्व के लगभग 150 बचत गट से जुड़ी हजारों महिलाएं उपस्थित थीं, जिन्हें रेशमा खरात ने संबोधित करते हुए मार्गदर्शन किया। इस मौके पर समाजसेविका सारिका महेश गायकवाड़, पूर्व नगरसेविका सुशीला माली, वंदना तांबे, हेमलता चौधरी, ज्योत्स्ना हुमने, सुजाता शिंदे, शुभांगी मुतकेकर, वैशाली ठाकुर आदि मान्यवर महिलाएं उपस्थित थीं। बचत गट के जरिए सामान्य महिलाएं आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बन सकती है। शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाकर वे आत्मनिर्भर बन सकती है। इतना ही नहीं बचत गट के माध्यम से महिलाएं किस तरह आर्थिक और सामाजिक रूप से खुद को और अपने परिवार को मजबूत बना सकती है ? इस विषय पर रेशमा खरात ने हजारों महिलाओं को संबोधित किया। कार्यक्रम के सफलतापूर्वक आयोजन में प्रशांत बोटे के साथ कृष्णा पाटिल और सुमेध हुमने ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया।

टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस और सीएनबीसी-टीवी18 मिलकर भारत में विश्वसनीय वित्तीय सलाह को बढ़ावा देंगे

मुंबई/पटना। आज भारत वैश्विक विकास में सबसे आगे है - इस विकास की पहचान देश की तेज आर्थिक उन्नति, नए-नए आविष्कारों में वृद्धि और विश्वभर में बढ़ते प्रभाव से होती है। इससे भारतीयों के लिए अपने सपनों को पूरा करने और सफलता हासिल करने के लक्ष्य में जबरदस्त अवसर खुल चुके हैं। बढ़ती समृद्धि के साथ नागरिकों के लिए वित्तीय योजना और सुरक्षा की आवश्यकता भी आती है।

टाटा एआईए ने पिछले कुछ वर्षों में कई ऐसे अभिनव सुरक्षा समाधान प्रदान किए हैं, जिससे देश भर के उपभोक्ताओं को इस संबंध में मदद मिली है। यह कंपनी जीवन बीमा में भारत के प्रमुख सुरक्षा प्रदाता के रूप में उभरी है। टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस के एमडी और सीईओ, श्री वेंकी अय्यर ने कहाः टाटा एआईए में, हम वचन देते हैं आपके सपनों की रक्षा करने और आपके भविष्य को सुरक्षित रखने का और इस वचन का पूरा फोकस हमारे उपभोक्ता पर है। हमारे सलाहकार हमारे भरोसेमंद भागीदार हैं जो उपभोक्ताओं के जीवन के विभिन्न चरणों में उनकी सेवा करने में मदद करते हैं। टाटा एआईए ऑरा के साथ, हम अपने वित्तीय सलाहकार समुदाय की उद्यमशीलता की भावना और सफलता को सम्मानित करना चाहते हैं। सीएनबीसी-टीवी18 के साथ हमारी साझेदारी का लक्ष्य अगली पीढ़ी के सलाहकार-उद्यमियों को प्रेरित करना है जो बीमा को एक पूर्णकालिक पेशे के रूप में स्वीकार कर सकते हैं।

राष्ट्र की एकता और अखंडता बनाए रखना सर्वोच्च जिम्मेदारी : एड. आशीष शेलार

मुंबई (उत्तरशक्ति)। राष्ट्र सर्वोपरि है। राष्ट्र की सेवा करना हमारा कर्तव्य है। राष्ट्र की एकता और अखंडता को बनाए रखना हमारी सर्वोच्च जिम्मेदारी होनी चाहिए। आरएसएस के 100 वर्ष पूर्ण होने पर बी कंधारी प्रॉपर्टीज के बिहारी कंधारी द्वारा सिंधी समाज को एकत्रित करके कंधारी परिवार द्वारा बांद्रा पश्चिम के बाल गंगाधर रंग मंदिर में आयोजित कार्यक्रम, हिन जनम, हर जनम का भव्य आयोजन किया गया प्रमुख अतिथि के रूप में बोलते हुए महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री एडवोकेट आशीष शेलार ने उपरोक्त बातें कही। उन्होंने कहा कि आरएसएस हिंदुत्व की आत्मा है, जिसके बिना हिंदुत्व अधूरा है। उन्होंने कार्यक्रम के आयोजक बी कंधारी प्रॉपर्टीज के बिहारी कंधारी विक्की कंधारी तथा अर्जुन कंधारी पूरे कंधारी परिवार को शानदार कार्यक्रम के आयोजन के लिए भारतीय जनता पार्टी की तरफ से बधाई देते हुए कहा कि आने वाले दिनों में भी आप ऐसे ही कार्यक्रम आयोजित करके हिंदुत्व और सनातन को मजबूत करने का काम करते रहें। एडवोकेट शेलार ने कहा कि देश के विकास में सिंधी समाज महत्वपूर्ण भूमिका है। देश को जब भी जरूरत पड़ी सिंधी समाज ने आगे बढ़ते हुए अपना योगदान दिया। इस मौके पर कंधारी परिवार के प्रमुख मुखिया बिहारी कंधारी ने कहा कि आरएसएस और हिंदुत्व एक दूसरे के पूरक हैं। दोनों को एक दूसरे से अलग नहीं किया जा सकता। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों को आरएसएस से जुड़ने की अपील की। अर्जुन कंधारी ने कहा कि राष्ट्र की एकता और अखंडता की रक्षा करना

हर व्यक्ति का आवश्यक कर्तव्य होता है। हर व्यक्ति को अपने राष्ट्र पर अभिमान होना चाहिए अर्जुन कंधारी ने हाल ही में छत्तीसगढ़ पार्टी के प्रमुख विधायक अमित बघेल द्वारा सिंधियों को पाकिस्तानी कहे जाने पर घोर आलोचना करते हुए कहा कि सिंधी समाज भारत की आत्मा में बसता है। भारत के लिए जब भी जरूरत पड़ी, सिंधी समाज ने हमेशा अपने प्राणों की आहुति दिया है । उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में भी जब भी हमारे देश को खून की जरूरत पड़ेगी, सबसे पहले सिंधी समाज भारत के लिए सर कटाने को तैयार मिलेगा। सिंधी समाज पर टिप्पणी करने वाले देश के गद्दार हैं ।सरकार को इनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। इस अवसर पर राष्ट्र प्रेम से जुड़े अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख लोगों में बीकेपी ग्रुप के संस्थापक कंधारी परिवार के प्रमुख मुखिया बिहारी कंधारी, लक्ष्मण लुधानी, अर्जुन कंधारी, विजय कंधारी, भारती छावरीया, राम जवरानी महेश सुखरमाणि नेहा जगतिआनी, मुरली अदनानी पूर्व एमएलसी जलगांव गुरमुख जगवानी, नानक रुपानी राम जौहरानी,निरंजन ठाकुर, ज्योति ठाकुर के साथ-साथ इस मौके पर हजारों की संख्या में सिंधी समाज के देश-विदेश के लोग उपस्थित थे।

क्विक हील ने टोटल सिक्योरिटी वर्जन 26 पेश किया

मुंबई। वैश्विक साइबर सुरक्षा कंपनी क्विक हील टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने आज अपने नवीनतम और अत्याधुनिक संस्करण क्विक हील टोटल सिक्योरिटी वर्जन 26 को पेश किया। तीन दशकों से दुनिया भर के लाखों उपयोगकताओं की डिजिटल सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए कंपनी ने डिजिटल सुरक्षा के अगले युग की शुरूआत की है। यह नया संस्करण आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित प्राइवेसी प्रोटेक्शन और उन्नत सुरक्षा तकनीकों का अनूठा संगम है, जो बदलते साइबर खतरों और बढ़ते डिजिटल फ्रॉड से भारतीय उपयोगकताओं को पहले से कहीं अधिक स्मार्ट, सटीक और वास्तविक समय की सुरक्षा प्रदान करेगा।

जिला परिषद पालघर में मनाई गई स्व. इंदिरा गांधी की जयंती

पालघर(उत्तरशक्ति)। भारत की पूर्व प्रधानमंत्री एवं लौह-महिला के नाम से प्रसिद्ध स्व. इंदिरा गांधी की जयंती 19 नवंबर को जिला परिषद पालघर में मनाई गई। उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (सा.) इजाज अहमद शरीक मसलत ने इंदिरा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पहार अर्पित कर उन्हें नमन किया।

ज्ञात हो कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व.इंदिरा गांधी का जन्म 19 नवंबर 1917 को हुआ था। देश की पहली महिला प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने अपने दृढ़ नेतृत्व, दूरदृष्टि और ऐतिहासिक निर्णयों से भारत की राजनीतिक दिशा तय की। बांग्लादेश मुक्ति संग्राम में निर्णायक भूमिका, बैंकों का राष्ट्रीयकरण तथा हरित क्रांति को मिली नई गति—ये उनके कार्यकाल के महत्वपूर्ण मील के पत्थर माने जाते हैं।उनकी जयंती अवसर पर उपस्थित अधिकारियों व कर्मचारियों ने राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ भी ग्रहण की। कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम अधिकारी व्यंकटराव हुंडेकर, शिक्षा अधिकारी (योजना) शेषराव बडे सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री समृद्ध पंचायत राज अभियान के तहत विक्रमगढ़ में तहसील स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। मुख्यमंत्री समृद्ध पंचायत राज अभियान की प्रभावी क्रियान्वयन प्रक्रिया को गति देने के उद्देश्य से पालघर जिले की विक्रमगढ़ पंचायत समिति सभागृह में 18 नवंबर को तहसील स्तरीय महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला परिषद पालघर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने की। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवींद्र शिंदे, जिला ग्रामीण विकास यंत्रणा की प्रकल्प संचालिका डॉ. रूपाली सातपुते, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (ग्रामपंचायत) अशोक पाटील, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (मनरेगा) अतुल

पारस्कर, गटविकास अधिकारी महेश पांढरे सहित विक्रमगढ़ तहसील के विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने संबोधित करते हुए कहा कि समृद्ध पंचायत राज अभियान ग्रामविकास की दिशा में एक अत्यंत महत्वपूर्ण पहल है। ग्रामपंचायतों को चाहिए कि वे इस अभियान में सक्रिय सहभाग लेकर अपने विकास का स्पष्ट और व्यवहार्य रोडमैप तैयार करें। उन्होंने प्रशासन को प्रलंबित कार्यों में तेजी लाने, आचारसंहिता लागू होने से पूर्व आवश्यक मंजूरियों की पूर्ति करने और विकास कार्यों में गुणवत्ता व समयबद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक ग्रामपंचायत उल्लेखनीय कार्य कर पुरस्कार प्राप्त करने का लक्ष्य निर्धारित करे। अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवींद्र शिंदे ने भी विभागीय समन्वय को सुदृढ़ करने पर जोर देते हुए कहा कि अधिकाधिक ग्रामपंचायतों को अभियान से जोड़ना आवश्यक है। सक्रिय सहभाग से तहसील और जिले के विकासात्मक लक्ष्य तेजी से हासिल किए जा सकते हैं।

बैठक के उपरांत मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने वाकी-म्हसेपाड़ा क्षेत्र का दौरा किया। उन्होंने यहां मोडकलीस आए कोल्हापुरी बांध का निरीक्षण किया तथा आपत्ती व्यवस्थापन बोट के माध्यम से बांध के लिए प्रस्तावित नई जगह का भी जायजा लिया। इसके बाद प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत मंजूर घरकुलों का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया। उन्होंने जिला परिषद विद्यालय पहुंचकर छात्रों व शिक्षकों से संवाद भी साधा। इस निरीक्षण दौरे में संबंधित विभागों के अधिकारी और कर्मचारी भी मौजूद रहे।

मीरा भायंदर शहर में 4 दूध वितरण केंद्र महानंदा को सौंपे गए, नागरिकों को मिलेंगे गुणवत्तापूर्ण दूध उत्पाद

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर महानगरपालिका क्षेत्र में कुल 69 दूध वितरण केंद्रों का प्रबंधन और वितरण महानंदा डेयरी को हस्तांतरित कर दिया गया है। इनमें से 5 दूध वितरण केंद्रों का नवीनीकरण महानंदा डेयरी द्वारा विभिन्न सुविधाओं के साथ पूरा कर लिया गया है। 18 नवंबर, 2025 को मीरा भायंदर महानगरपालिका के आयुक्त एवं प्रशासक राधाबिनोद ए. शर्मा (भा.पु.से.) के मार्गदर्शन में और महानंदा डेयरी के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी पी.बी. परमार की विशेष उपस्थिति में मीरा भायंदर महानगरपालिका मुख्यालय में यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। इस अवसर पर नगर अभियंता दीपक

खाम्बित और महानगरपालिका के अन्य अधिकारी उपस्थित थे। साथ ही, आयुक्त द्वारा 5 नवीनीकृत दूध वितरण स्टॉलों का वितरण किया गया है और शेष स्टॉलों का वितरण जल्द ही किया जाएगा। इस निर्णय से स्टॉल धारकों में उत्साह का माहौल है और मीरा-भायंदर शहर के नागरिकों को अब महानंदा डेयरी के विभिन्न प्रकार के ताजा और उच्च गुणवत्ता वाले डेयरी उत्पादों का लाभ मिलेगा। महानंदा डेयरी की विशेष भागीदारी दूध वितरण व्यवस्था को एक नई गति प्रदान करेगी। मीरा-भायंदर महानगरपालिका शहर के नागरिकों की सेवा को और अधिक कुशल और विश्वसनीय बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

अवैध शराब भट्टियों पर पुलिस का छापा, लाखों की संपत्ति नष्ट

बसई (उत्तरशक्ति)। नायगांव में मुखबिर के जरिए सूचना मिली थी कि नायगांव पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में कामां के देवकुंडी जंगल क्षेत्र में कुछ लोग अवैध रूप से शराब बनाने की भट्टी लगा रहे हैं। प्राप्त गोपनीय सूचना के आधार पर, पुलिस अधिकारियों और अपराध शाखा सेल 2, वसई कार्यालय के अंमलदार ने 18 नवंबर 2025 को कामां गांव के देवकुंडी जंगल क्षेत्र में छापा मारा और 2 भट्टियों और 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया जो गांव की शराब बना रहे थे।

हिरासत में लिए गए व्यक्तियों के नाम, सुनील यशवन्त वघाट रु. मु-देवकुंडी, पो-कामन, वसई पूर्व,

जिला पालघर, प्रकाश किसान कोल्हा उम्र 45 वर्ष निवासी बेलकड़ी, पोस्ट कामन ताल. वसई, जिला पालघर के रहने वाला है। उक्त छापेमारी के दौरान, ग्रामीण शराब बनाने में प्रयुक्त 3,600 लीटर वाश 2) ग्रामीण शराब बनाने में प्रयुक्त 100 लीटर वाश और 3,10,200/- रुपये मूल्य की 100 लीटर वाश जब्त कर मौके पर ही नष्ट कर दी गई। आरोपी के विरुद्ध नायगांव पुलिस स्टेशन में महाराष्ट्र मद्य निषेध अधिनियम, 1949 की धारा 65 (बी), (सी), (डी) और (एफ) के तहत वरिष्ठ पुलिस अधिकारीयों द्वारा मामला दर्ज किया गया है।

नवी मुंबई में बाल सुरक्षा सप्ताह 2025 की शुरूआत

नवी मुंबई (उत्तरशक्ति)। अर्पण वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त एक गैर-लाभकारी संस्था है, जो बाल लैंगिक शोषण को जड़ से खतम करने के लिए लगातार काम कर रही है। नवी मुंबई नगर निगम (NMMC) और नवी मुंबई म्युनिसिपल ट्रांसपोर्ट (NMMT) ने अर्पण के साथ मिलकर बाल सुरक्षा सप्ताह मनाया। इस मौके पर नवी मुंबई की 100 बसों पर #POCSOPakadLega संदेश लगाया गया। इस वर्ष, अर्पण का अभियान एक साहसिक और अडिग विषय पर केंद्रित है : #POCSOPakadLega यह हर अपराधी को एक सख़्त संदेश और एक चेतावनी देता है। यह ढडउरड अधिनियम (लैंगिक अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम) को लोगों की नजर में स्पष्ट रूप से लाता है, और बताता है कि इसके परिणाम निश्चित हैं और उन्हें जवाबदेह भी बनना पड़ेगा। अर्पण की गुडविल एंबेसडर और भारत की सबसे प्रशंसित अभिनेत्री विद्या बालन भी, उरह 2025 के चेहरे और आवाज के रूप में अपना समर्थन दे रही हैं। श्वेता कवात्रा, मानव गोहिल और अनूप सोनी जैसे प्रसिद्ध कलाकारों ने भी इस अभियान का समर्थन किया है। कार्यक्रम में एक विशेष NMMT बस का उद्घाटन किया गया। इस बस पर बाल

सुरक्षा संदेश लगाया गया। अब 100 NMMT बसें नवी मुंबई में चल रही हैं। ये बसें प्रमुख मार्गों तथा अधिक यातायात वाले क्षेत्रों में संचालित होंगी। इन मार्गों पर रोजाना यात्रा करने वाले हजारों यात्रियों तक यह बसें #POCSOPakadLega का संदेश पहुँचाएँगी। इन बसों के जनजागरूकता अभियान के माध्यम से बच्चों का लैंगिक शोषण करने वाले व्यक्तियों को यह सख़्त चेतावनी दी जाएगी कि वे बच्चों से दूर रहें और किसी भी तरह का अनुचित व्यवहार न करें। अर्पण की संस्थापक और सीईओ, पूजा तापड़िया ने कहा, बच्चों की सुरक्षा केवल संयोग या कुछ लोगों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता; इसके लिए सामूहिक ज़िम्मेदारी की जरूरत है। हर शहर और हर समुदाय को बच्चों को सुरक्षित रखने में हमें अपनी भूमिका निभानी चाहिए। नवी मुंबई में इस पहल की शुरूआत दर्शाती है कि जब नगर निगम, सार्वजनिक परिवहन और सामाजिक संस्थाएँ बच्चों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्धता के साथ मिलकर काम करते हैं, तो कुछ भी संभव हो सकता है। हम नवी मुंबई नगर निगम और नवी मुंबई नगर परिवहन के प्रति तहे दिल से आभारी हैं कि उन्होंने शहर के परिवहन नेटवर्क के जरिए इस संदेश को बड़ी मात्रा में लोगों तक पहुँचाने में हमारा सहयोग किया। #POCSOPakadLega जैसे अभियान जागरूकता बढ़ाने, सतर्क रहने और अपराधियों को याद दिलाते हैं कि जवाबदेही जरूरी है। यह जागरूकता जरूरी है क्योंकि POCSO अधिनियम, एक मजबूत कानूनी ढाँचा होने के बावजूद, वास्तव में तभी प्रभावी होता है जब लोग इसे समझें और इस पर अमल करें।

शिवसेना विकास कामों के जरिये जनता का दिल जीतती - पूर्व नगर अध्यक्ष वामन म्हात्रे

चेतन निर्मल संवाददाता

बदलापुर (उत्तरशक्ति)। बदलापुर नगर परिषद का चुनाव 2 दिसंबर को होने जा रहा है। शिवसेना ने यहां से 49 उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं। जब से नगर परिषद बनी है। उस समय से, भाजपा और शिवसेना दोनों अलग-अलग चुनाव मैदान में उतरते हैं। परिणाम आने के बाद, हम एक साथ सत्ता बनाते हैं। पूर्व नगर अध्यक्ष वामन म्हात्रे ने एक मुलाकात के दौरान यह बात कही है । इस बार भी भाजपा और शिवसेना दोनों ने अपने-अपने उम्मीदवार उतारे हैं।

वामन म्हात्रे ने यह भी कहा कि शिवसेना को 2014 में पूर्ण बहुमत मिला, उस समय वामन म्हात्रे खुद नगर अध्यक्ष बने। उस समय से शहर में विकास कार्यों ने पूरी गति मिली। विकास की गति का श्रेय आज के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को जाता है। क्योंकि शिंदे 2014 में शहरी विकास मंत्री थे, बदलापुर शहर की सभी सड़कें आरसीसी पद्धति से बनाई गई। शिवसेना ने शहर में लोगों की सभी समस्याओं को दूर करने का काम किया है, पूरे शहर में अच्छे उद्यान से लेकर स्ट्रीट लाइट तक पूरे शहर में लगाया ।

शहर में जनता की हर समस्या पर शिवसेना ने काम किया । यही सब विकास कामों के जरिये शिवसेना जनता के बीच चुनावी मैदान में उतरी है। और जनता शिवसेना को फिर से विजयी बनाकर बदलापुर नगर परिषद में भेजेगी।

दिव्यांग क्षेत्र में बिना पंजीकरण काम करने वाली संस्थाओं पर होगी कार्रवाई : डॉ. प्रकाश हसनालकर

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले में दिव्यांग क्षेत्र में कई संस्थाएं बिना किसी सरकारी पंजीकरण के काम कर रही हैं, जो शासन के निदेर्शों के विरुद्ध है। इस संदर्भ में जिला दिव्यांग सशक्तिकरण अधिकारी डॉ. प्रकाश हसनालकर ने बताया कि ऐसी संस्थाओं के लिए पंजीकरण कराना अनिवार्य है। शासन ने 30 नवंबर 2025 तक पंजीकरण की अंतिम तिथि तय की है, जिसके बाद बिना पंजीकरण कार्यरत संस्थाओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जायेगी।

दिव्यांग विभाग के सचिव तुकाराम मुंढे की अध्यक्षता में 7 नवंबर 2025 को दूरदृश्य (वीसी) बैठक आयोजित की गई, जिसमें राज्य के सभी जिलाधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया गया कि दिव्यांग क्षेत्र में कार्य करने वाली संस्थाओं का पंजीकरण अनिवार्य है। दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम 2016 के अनुसार दिव्यांग कल्याण आयुक्त को सक्षम प्राधिकारी घोषित किया गया है, जो पंजीकरण प्रमाणपत्र जारी करते हैं।

उत्तरशक्ति

* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालय :

उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)

मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37

मो.- 9554493941

email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति**, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।

पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.- 9554493941** **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

जिलाधिकारी ने तहसील बदलापुर सभागार में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्य का किया औचक निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र द्वारा तहसील बदलापुर सभागार में विशेष प्रगाढ़

पुनरीक्षण कार्य का औचक निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभिन्न बीएलओ द्वारा अब तक की गई प्रगति के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने बीएलओ के द्वारा वितरित किए गए गणना प्रपत्रों, उनके संग्रहण तथा डिजिटाइजेशन की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की।

इस दौरान जिलाधिकारी ने पाया कि गणना प्रपत्र वितरण और संग्रहण संबंधी कार्य में कुछ बीएलओ की प्रगति अपेक्षाकृत कम है। इस पर उन्होंने उप जिलाधिकारी बदलापुर को निर्देशित किया कि ऐसे बीएलओ को आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान कराते हुए कार्य में गति लाने हेतु प्रभावी कदम उठाए जाएँ।

जिलाधिकारी ने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण से संबंधित तकनीकी बिंदुओं पर अधिकारियों एवं बीएलओ को विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य है, जिसके अंतर्गत प्रत्येक पात्र मतदाता का नाम निर्वाचन नामावली में सम्मिलित होना सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि सभी बीएलओ घर-घर जाकर गणना प्रपत्रों का वितरण करें। साथ ही, प्रपत्र भरवाकर उन्हें शीघ्र अतिशीघ्र संग्रहीत करें, जिससे उनके डिजिटाइजेशन का कार्य समय से पूर्ण हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि निर्धारित समयसीमा के भीतर सभी प्रपत्रों की प्रविष्टि सुनिश्चित करना आवश्यक है। इस अवसर पर मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अंबष्ट, उपजिलाधिकार बदलापुर योगिता सिंह, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, बीएलओ, सुपरवाईजर सहित अन्य उपस्थित रहे।

शादी के दिन द्वारपूजा में दुल्हे के भाई से 80 हजार छिनैती

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज कोतवाली क्षेत्र के एराकियाना मोहल्ला स्थित मैरिज लॉन में द्वारपूजा के दौरान पहुंचे बाइक सवार तीन उच्चके दूल्हे के भाई से बैग छीनकर भाग गए। पीड़ित के मुताबिक बैग में 80 हजार रुपये थे। घटना की जानकारी होने पर पुलिस जांच में जुट गई है। सरपतहा थाना क्षेत्र के मिसिरपुर निवासी श्वेता की शादी बस्ती जिले के महरीपुर गांव निवासी जयप्रकाश सिंह के बेटे डॉक्टर पवन सिंह से तय हुई थी। मंगलवार की रात बरात शाहगंज स्थित एराकियाना मोहल्ला स्थित मैरिज लॉन में आई थी। रात 10:30 बजे द्वारका पूजा के दौरान बाइक सवार तीन बदमाश आए और दूल्हे के भाई राम प्रकाश सिंह से बैगछीन कर भाग निकले। पुलिस सीसी कैमरे भी खंगाल रही है।

विश्व की सबसे शक्तिशाली नेता थी आयरन लेडी इंदिरा गांधी: डा.प्रमोद कुमार सिंह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारत की पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी के जयंती के अवसर पर जिला कांग्रेस

कमेटी जौनपुर के अध्यक्ष डा .प्रमोद कुमार सिंह की अध्यक्षता में कांग्रेस कार्यकताओं ने बुधवार को जिला कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में उपस्थित पार्टी कार्यकताओं ने श्रीमती इंदिरा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित किया। इस मौके पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष डा. प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि इंदिरा गांधी के नेतृत्व में भारत दुनिया का सिरमौर था, उन्होंने अपने सशक्त निर्णयों और दूरदर्शी नीतियों के तहत पाकिस्तान के दो टुकड़े कर बंग्लादेश का निर्माण करके विश्व के भूगोल को बदलने के साथ ही भारत की मजबूती का लोहा पूरी दुनिया को मनवाया। डा. प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि इंदिरा गांधी की ही देन है जो आज भारत परमाणु सम्पन्न देश बन गया है, उन्होंने किसानों, नौजवानों, गरीबों और मजदूरों के हित में बहुत क्रांतिकारी काम किया है, बैंकों का राष्ट्रीयकरण, देश का औद्योगीकरण, किसानों के लिए हरित क्रांति का विस्तार कर इंदिरा गांधी ने एक विकसित राष्ट्र का निर्माण किया।

शहर अध्यक्ष आरिफ खान ने कहा कि आयरन लेडी के नाम से पूरी दुनिया में सुविख्यात इंदिरा गांधी के बीस सूत्रीय कार्यक्रम को आज भी पूरा देश बड़े आदर के साथ याद करता है। इस मौके पर लाल प्रकाश पाल,अनिल सिंह, इरशाद खान, राज कपूर पटेल, मुहम्मद ताहिर, इकबाल हुसैन सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

पिता ने अपनी ही 18 माह की बच्ची को नदी में फेका, पुलिस ने लिया हिरासत में

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत थाना क्षेत्र के खड़गसेनपुर गांव में बुधवार की सुबह उस समय हड़कंप मच गया जब एक पिता ने अपनी ही 18 माह की बच्ची को नदी में फेंकने की खबर गांव में फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी पिता को हिरासत में लेकर मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दिया।

बताया जाता है कि बुधवार सुबह पुलिस को सूचना मिली कि उक्त थाना क्षेत्र के खरगसेंनपुर निवासी अशोक विश्वकर्मा ने अपनी 18 माह की बेटी रुतबी को नदी में फेंक दिया है। तभी क्षेत्राधिकारी अजीत रजक, कोतवाली प्रभारी दीपेंद्र सिंह सहित पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई। मां संजू विश्वकर्मा ने आरोप लगाया कि अशोक सुबह करीब सात बजे रुतबी को घुमाने के बहाने घर से लेकर निकला था। काफी देर बाद बड़ी बेटी आकांक्षा ने

फोन कर घर आने को कहा तो उसने थोड़ी देर में आने की बात कही। इसी बीच गांव के एक व्यक्ति ने बताया कि अशोक नदी के किनारे बच्ची के साथ देखा गया है। परिवार को शक होने लगा क्योंकि घर में तीसरी बेटी को लेकर पहले से विवाद चल रहा था। पत्नी का कहना है कि अशोक को बेटा चाहिए था और इसी को लेकर आए दिन विवाद होने के चलते तनाव रहता था।

पुलिस ने आरोपी पिता अशोक को मौके पर ही हिरासत में ले लिया और नदी में गोताखोरों की मदद से बच्ची को तलाशना शुरू करवाया दिया लेकिन रुतबी का कोई सुराग नहीं मिल पाया है। लापता रुतबी तीन बहनों में सबसे छोटी थी। उससे बड़ी बहनें आकांक्षा (18) और शिष्टि (13) तथा मां संजू का रो-रोकर बुरा हाल है।

इस संबंध में कोतवाली प्रभारी दीपेंद्र सिंह ने बताया कि आरोपी पिता से पूछताछ जारी है। बच्ची की तलाश जारी है मिलने के बाद आगे की कार्यवाही की जाएगी।

बसुही नदी पर पुल निर्माण को लेकर ग्रामीणों का प्रदर्शन

जज सिंह अन्ना के नेतृत्व में बघनरी-हरद्वारी मार्ग पर विरोध

दिनेश विश्वकर्मा

बरसठी,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बरसठी ब्लॉक क्षेत्र में बसुही नदी पर मिनी पुल निर्माण की वर्षों से लंबित मांग को लेकर मंगलवार को ग्रामीणों

ने बघनरीझ्हरद्वारी मार्ग पर जोरदार प्रदर्शन किया। इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व सामाजिक कार्यकर्ता जज सिंह अन्ना ने किया। ग्रामीणों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पुल निर्माण की तत्काल स्वीकृति की मांग उठाई।

ग्रामीणों का कहना है कि पुल न होने से पूरे क्षेत्र की आवाजाही बुरी तरह प्रभावित रहती है। एंबुलेंस, मरीज, गर्भवती महिलाएँ तथा स्कूली बच्चों को रोजाना कठिनाई के साथ नदी पार करनी पड़ती है। कई बच्चे रोज साइकिल से नदी पार कर स्कूल जाते हैं, जिससे हादसे की आशंका बनी रहती है।

पूर्व प्रधान कमलेश सिंह उर्फ सोनू ठाकुर ने बताया कि प्रस्तावित मिनी पुल बनने से बघनरी, मनीपुर, हरद्वारी, कोहणा, चतुर्भुजपुर और बड़ेरी गांव सीधे मछलीशहर हाईवे से जुड़ जाएंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि जनप्रतिनिधि इस अहम मुद्दे पर उदासीन हैं, जबकि 10 से 50 हजार की आबादी के लिए यह पुल जीवनरेखा साबित होगा। उन्होंने जिलाधिकारी जौनपुर से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की।

बघनरी निवासी सुरेंद्र ने बताया कि यह मांग पिछले 50 वर्षों से लंबित है। ग्रामीणों ने कई बार सांसदों व विधायकों को ज्ञापन सौंपा, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

ग्रामीणों ने बताया कि लगभग 25 मीटर लंबे इस मिनी पुल का निर्माण क्षेत्र के विकास का रास्ता खोलेगा। उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार से एक वर्ष के भीतर निर्माण कार्य शुरू कराने की मांग की है।

जौनपुर में लौह पुरुष सरदार पटेल जी की जयंती पर एकता यात्रा का आयोजन

प्रभारी मंत्री ए.के. शर्मा जी की अगुवाई में नौपेड़वा से मोहम्मदपुर तक उमड़ा जनसैलाब

- राष्ट्रीय एकीकरण में सरदार पटेल जी की भूमिका को मा0 प्रभारी मंत्री जी ने बताया अतुलनीय
- स्थानीय जनता ने उत्साहपूर्वक किया स्वागत, पूरे मार्ग में छाया देशभक्ति का माहौल
- सभी को देश निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाने का किया आह्वान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के मंत्री नगर विकास, शहरी समग्र विकास, नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन, ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्त्रोत विभाग तथा जनपद जौनपुर के प्रभारी मंत्री ए.के. शर्मा ने सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150वीं जयंती के अवसर पर जिले में आयोजित एकता यात्रा में सहभागिता की। यह यात्रा मल्हनी विधानसभा अंतर्गत नौपेड़वा से मोहम्मदपुर तक उत्साह, देशभक्ति और सामाजिक एकजुटता के संदेश के साथ निकली। बड़ी संख्या में नागरिकों, युवाओं, जनप्रतिनिधियों और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने यात्रा में शामिल होकर इसे विशाल जनसमूह का रूप दिया।

अपने संबोधन में मंत्री ए.के. शर्मा ने कहा कि भारत के राष्ट्रीय एकीकरण में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल का योगदान सदैव याद रखा जाएगा। 562 रियासतों को एक धागे में पिरोकर उन्होंने एक मजबूत, संगठित और सशक्त भारत का निर्माण किया। उनका जीवन देशभक्ति, अनुशासन और दृढ़ इच्छाशक्ति का जीवंत उदाहरण है। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल के सिद्धांत और विचार आज भी देश की एकता और अखंडता की आधारशिला हैं। प्रभारी मंत्री जी ने आगे कहा कि नए भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। युवाओं को सरदार पटेल की कार्यशैली, समर्पण और राष्ट्रप्रथम की भावना से प्रेरणा लेकर समाज और राष्ट्र के विकास में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि देश की प्रगति तभी संभव है जब समाज में एकता, सदभाव और आपसी सम्मान की भावना बढ़े। उन्होंने उपस्थित जनसमूह से आह्वान किया कि वे सामाजिक सौहार्द और भाईचारे को बढ़ाने के लिए अपने-अपने स्तर पर सकारात्मक प्रयास करें।

प्रभारी मंत्री ने कहा कि सरदार पटेल ने राष्ट्र को एकता के सूत्र में पिरोकर वह कार्य किया, जिसे करने की हिम्मत और दृष्टि बहुत कम लोगों में होती है। यदि सरदार पटेल न होते तो अखंड भारत का निर्माण मुश्किल था। उन्होंने केवल रियासतों को ही नहीं जोड़ा बल्कि देश की विविधताओं को एक शक्तिशाली पहचान दी। आज हम जिस सशक्त भारत पर गर्व करते हैं उसका मूल आधार सरदार वल्लभभाई पटेल जी की दूरदर्शिता और कार्यशैली है।

इस अवसर पर माननीय सांसद राज्यसभा श्रीमती सीमा द्विवेदी ,राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार, खेल एवं युवा कल्याण विभाग उत्तर प्रदेश गिरीश चंद्र यादव, सदस्य विधान परिषद बृजेश सिंह प्रिंशू, विधायक बदलापुर रमेश चंद्र मिश्र, पूर्व गृह राज्यमंत्री कृपा शंकर सिंह, जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह, जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र, पुलिस अधीक्षक डा0 कौस्तुभ, मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, डीसीएफ चेयरमैन धन्नजय सिंह सहित अन्य उपस्थित रहे।

ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार की मौत

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के अन्तर्गत अयोध्या मार्ग स्थित गौरव हास्पिटल के समीप सड़क दुघर्टना में बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई। सूचना पर मौके पर पहुंची कोतवाली ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बीबीगंज चौकी क्षेत्र के मदरहा के वन बहोरनपुर गांव निवासी 22 वर्षीय अजय कुमार विश्वकर्मा पुत्र स्व राकेश कुमार विश्वकर्मा मंगलवार की शाम शाहगंज अपनी बाइक से दवा लेने आया था।दवा लेकर वापस घर जाने के दौरान अयोध्या मार्ग स्थित गौरव हास्पिटल के समीप तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं घटना की सूचना परिजनों को दी।मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।चालक ट्रक समेत मौके से फरार हो गया। मृतक के परिजनों की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने अज्ञात के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच में जुटी हुई है।

प्रदेश स्तरीय जूनियर बालक एवं बालिका कबड्डी प्रतियोगिता

जैनपुर (उत्तरशक्ति)। क्रीड़ा अधिकारी ने अवगत कराया है कि खेल निदेशालय उ0प्र0, लखनऊ के तत्वावधान में खेल विभाग उ0प्र0 एवं उ0प्र0 कबड्डी संघ के समन्वय से प्रदेश स्तरीय समन्वय जूनियर बालक कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन 09 से 11 दिसम्बर, 2025 तक अमेठी में तथा जूनियर बालिका कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन 06 से 08 दिसम्बर, 2025 तक गाजीपुर में किया जा रहा है।

उक्त के क्रम में जनपद जौनपुर के जूनियर बालक एवं बालिका कबड्डी खिलाड़ियों का जनपदीय चयन परीक्षण 21 नवम्बर 2025 को पूर्वान्ह 10.00 बजे से इन्दिरा गांधी स्पोर्ट्स स्टेडियम सिद्दीकपुर में किया जायेगा। जनपद स्तर पर चयनित जूनियर बालक एवं बालिका कबड्डी खिलाड़ी ही 25 नवम्बर 2025 को आयोजित मण्डल स्तरीय चयन/ट्रायल्स, जो डॉ0 भीमराव अम्बेडकर क्रीड़ा संकुल लालपुर, वाराणसी में मध्यान्ह 12.00 बजे से किया जायेगा, में प्रतिभाग करेंगे। मण्डल स्तरीय चयन/ट्रायल्स उपरान्त मण्डल की टीम का गठन किया जायेगा, मण्डल स्तरीय टीम ही प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेगी। इच्छुक खिलाड़ी निर्धारित प्रारूप पर अपना पात्रता प्रमाण पत्र फोटो सहित तथा आयु प्रमाण-पत्र प्रधानाचार्य द्वारा प्रमाणित तथा आधार कार्ड के साथ, हाई स्कूल अंक पत्र की छायाप्रति साथ लेकर जनपदीय चयन/परीक्षण में प्रतिभाग कर सकते हैं।

जूनियर बालक एवं बालिका कबड्डी प्रतियोगिता हेतु खिलाड़ियों की जन्म तिथि 01 जनवरी 2006 के बाद की होनी चाहिए तथा बालकों का वजन 75 किग्रा0 तथा बालिकाओं का वजन 65 किग्रा0 से अधिक नहीं होना चाहिए।

वाराणसी अस्पताल में युवक की संदिग्ध मौत, पुलिस फोर्स मौके पर तैनात

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के सारनाथ थाना क्षेत्र के ह्रदयपुर सथवा स्थित खुशहाल मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल में शुक्रवार को एक युवक की संदिग्ध हालात में मौत होने से हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान ललित पाठक (26), पुत्र घनश्याम पाठक, निवासी नारायणपुर, चौबेपुर के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही एसीपी सारनाथ विदुष सक्सेना भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी। परिजनों और स्थानीय लोगों में घटना को लेकर आक्रोश और सवाल उठ रहे हैं। पुलिस मौत के कारणों की जांच में जुटी है।

कुल्हनामऊ हाईवे पर रोडवेज बस और बुलेट की जोरदार टक्कर में दो घायल, बुलेट में लगी आग

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के बक्शा थाना क्षेत्र के कुल्हनामऊ हाईवे पर रोडवेज बस और बुलेट की जोरदार टक्कर में अचानक बुलेट में आग लग गई। जिससे एक युवक गंभीर रूप से झुलस गया जबकि उसका साथी

घायल हो गया। घटना में बुलेट जलकर राख हो गई। घटना के दौरान आस-पास के लोग मौके पर जुट गए। आननफानन में सूचना पुलिस और एम्बुलेंस को दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को एम्बुलेंस के जरिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं घटना के बाबत हाईवे पर थोड़ी देर के लिए जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई। पुलिस ने क्रेन बुलाकर उसकी मदद से वाहनों को हटवाकर रास्ता साफ कराया। हादसे में सरपतहां थाना क्षेत्र के उपाध्यायपुर गांव निवासी 20 वर्षीय हिमांशु सोनी पुत्र महेंद्र और साथ में 18 वर्षीय अभिषेक प्रजापति पुत्र शेषनाथ घायल हो गए थे। हादसे में हिमांशु गंभीर रूप से झुलस गया है। अभिषेक को मामूली चोटें आई हैं। इधर घटना की जानकारी होने पर परिजनों में कोहराम मच गया।

पुलिस लाइन के बहुउद्देशीय हाल में साइबर जागरूकता कार्यशाला का हुआ आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश लखनऊ व अपर पुलिस महानिदेशक वाराणसी जोन वाराणसी द्वारा वर्चुअल रूप से कार्यक्रम को किया गया सम्बोधित। आज दिनांक 19.11.2025 को रिजर्व पुलिस लाइन जौनपुर के बहुउद्देशीय हॉल में साइबर जागरूकता कार्यशाला (Cyber Awareness Workshop) का सफल आयोजन किया गया। यह महत्वपूर्ण कार्यक्रम पुलिस अधीक्षक जौनपुर की गरिमामयी अध्यक्षता में संपन्न हुआ। जिसका मुख्य उद्देश्य साइबर धोखाधड़ी (Cyber Fraud) और अपराधों से आम नागरिकों तथा पुलिसकर्मियों को जागरूक करना और उनके बचाव के तरीकों पर प्रशिक्षण देना था। कार्यक्रम के दौरान पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश, लखनऊ और अपर पुलिस महानिदेशक, वाराणसी जोन, वाराणसी ने वर्चुअल माध्यम से सीधे संवाद स्थापित किया। उन्होंने साइबर सुरक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला और साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए प्रदेश पुलिस द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। वर्कशॉप में साइबर सुरक्षा के महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा करने के लिए साइबर सिक्युरिटी एक्सपर्ट राहुल मिश्रा विशेष रूप से उपस्थित रहे, जिन्होंने

साइबर फ्रॉड से बचाव के लिए व्यावहारिक जानकारी और तकनीकी गुर साझा किए।

इस अवसर पर जिला जज जौनपुर, जिलाधिकारी जौनपुर, मुख्य विकास अधिकारी जौनपुर, अपर जिलाधिकारी, अपर पुलिस अधीक्षक नगर, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, सहायक पुलिस अधीक्षक (नगर/लाइन्स), सहित कई वरिष्ठ प्रशासनिक और न्यायिक अधिकारी मौजूद रहे, जो इस विषय की गंभीरता को दशार्ता है। कार्यक्रम में श्रीमती आदर्श वर्मा (मिशन शक्ति) और सेव लाईफ फाउंडेशन (रोड सेफ्टी) के पदाधिकारी भी उपस्थित रहे, जिन्होंने सामाजिक जागरूकता और सुरक्षा के विभिन्न आयामों पर बात की।

पुलिस अधीक्षक जौनपुर ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि वर्तमान डिजिटल युग में साइबर जागरूकता ही सबसे बड़ा हथियार है। उन्होंने सभी उपस्थित लोगों से अपील की कि वे साइबर फ्रॉड की किसी भी घटना को हल्के में न लें और तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दें। इस वर्कशॉप का उद्देश्य आम जनता और पुलिस बल के बीच साइबर सुरक्षा की एक मजबूत कड़ी स्थापित करना है, ताकि जौनपुर में एक सुरक्षित डिजिटल वातावरण सुनिश्चित किया जा सके।

कमरे में सो रहे हेड कांस्टेबल की जिंदा जलकर मौत

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। मेरठ जिले के सिविल लाइन थाना क्षेत्र में हेड कांस्टेबल की जलकर दर्दनाक मौत हो गई. सूचना पर पहुंची पुलिस और फायर ब्रिगेड ने शव को कमरे से निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। फिलहाल अभी तक आग लगने की सटीक जानकारी नहीं मिल पाई है, पुलिस ने मृतक के परिजनों को सूचना दे दी है।

पुलिस के मुताबिक, सिविल लाइन थाने में तैनात हेड कांस्टेबल विभोर कुमार 2011 में पुलिस में भर्ती हुए थे। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के शर्मा नगर में हेड कांस्टेबल विभोर कुमार एक मकान में किराए पर रह रहते थे। विभोर मंगलवार देर रात को ड्यूटी से लौटे और अपने रूम में चले गए।

एसएसपी डॉक्टर विपिन ताड़ा ने बताया कि विभोर कमरे से मंगलवार की रात अचानक धुंआ उठने लगा। इससे मकान के बाकी हिस्सों में रहने वाले किरादार को सांस लेने में तकलीफ हुई तो उन्होंने पता करने की कोशिश की, तभी विभोर के

धूम्रपान से बिस्तर में आग लगने की आशंका

कमरे से धुआं निकलता देखा। पड़ोसियों ने आवाज लगाई लेकिन अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। इसके बाद लोगों ने मिलकर दरवाजे को तोड़ा तो सारा सामान जल चुका था। हेड कांस्टेबल की भी जलकर मौत हो चुकी थी। स्थानीय लोगों ने आनन-फानन में पुलिस और फायर बिग्रेड को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बुरी तरह से जल चुके पुलिसकर्मी के शव को मोचेर्री भेजा।

एसएसपी डाक्टर विपिन ताड़ा ने बताया कि मंगलवार देर रात को थाना सिविल लाइन क्षेत्र में आग लगने से हेड कांस्टेबल विभोर की मृत्यु हुई है। आसपास में किराए पर रह रहे पुलिसकर्मियों, मकान मालिकों समेत आसपास के लोगों ने जब धुंआ निकलता पाया तो दरवाजा तोड़ा और उनका शव जलता पाया गया। उच्च अधिकारियों द्वारा मौके पर पहुंचकर मुआयना किया गया। प्रत्मदृष्टया ऐसा ही प्रतीत हो रहा है कि धूम्रपान के कारण बिस्तर में आग लगी, जिसके चपेट में हेड कांस्टेबल आ गए और उनकी मौत हो गई। शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाने के साथ परिजनों को भी जानकारी दी गई है।

पद्मश्री लोकगीत गायिका उर्मिला श्रीवास्तव ने बाँधा समां, कजरी और देवी गीतों से मंत्रमुग्ध हुआ टीडी कालेज

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पद्मश्री (2024) सम्मानित लोकगीत एवं कजरी गायिका श्रीमती उर्मिला श्रीवास्तव का बुधवार को नगर के टीडी कालेज में आगमन हुआ। जहां उनके आगमन पर पूरे परिसर में उत्साह और उल्लास का माहौल दिखाई दिया। विद्यालय परिवार की ओर से प्रधानाचार्य डॉ. सत्य प्रकाश सिंह ने उन्हें अंगवस्त्र एवं बुके भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रही उर्मिला श्रीवास्तव की मधुर प्रस्तुतियाँ, जिन्होंने अपने प्रसिद्ध लोकगीत रेलिया बैरन पिया को लिए जाए रे, मनभावन देवी भजन, तथा स्वरमयी कजरी गीतों से हॉल में ऐसा रस घोला कि उपस्थित सभी श्रोता मंत्रमुग्ध हो उठे। हर प्रस्तुति पर तालियों की गड़गड़ाहट लंबे समय तक गूंजती रही।

उर्मिला जी के साथ श्रेष्ठ शुक्ला, प्रदेश सचिव SPIC MACA , तथा उनकी पूरी टीम उपस्थित रही, जिनके सहयोग से कार्यक्रम और भी भव्य बना।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से प्रोफेसर मनोज कुमार सिंह, अजय सिंह (प्रबंधक, पंचशील इंटर कॉलेज), प्रोफेसर नरेंद्र देव पाठक (जिला उपाध्यक्ष, संस्कार भारती), तथा सत्य प्रकाश सिंह, मनोज सिंह, सुनील सिंह, दिनेश सिंह, संजय सिंह, अभिषेक सिंह (संगीत), अमरेश राय, प्रीति उपाध्याय, रीता सिंह, गीता मिश्रा, नरेंद्र सिंह, राजीव सिंह सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के समापन पर प्रधानाचार्य डॉ. सत्य प्रकाश सिंह ने सभी आगंतुकों का आभार प्रकट किया। उन्होंने विशेष आग्रह करते हुए कहा कि उर्मिला ,आप पुनः विद्यालय में कार्यशाला आयोजित कर हमारे बच्चों को अपने अनुभव और कला से लाभान्वित करें। लोकगीत और कजरी गायन की सुमधुर परंपरा को जीवंत करने वाला यह आयोजन लंबे समय तक स्मरणीय रहेगा।

आयुर्वेद मनीषियों का किया गेस्ट ऑफ हॉनर से सम्मान

चिराना। सीकर दिल्ली स्टेट हाई वे पर स्थित गणेश मंदिर के सामने बने हेल्थ केयर एंड परामर्श केंद्र पर बुधवार शाम को यहां पहली बार पधारने पर सीकर राजकीय आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डा.महेन्द्र कुमार सौरठा व डा.महेश कुमार इन्द्रा एसोसिएट प्रोफेसर (स्वस्थवृत्त एवं योग विभाग राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय सीकर) का डॉ राजेंद्र कुमावत ने गेस्ट ऑफ हॉनर का प्रतीक प्रदान कर सम्मान दिया। इस बीच काफी सारगर्भित बाते हुई और आयुर्वेद विषय पर डॉ.राजेंद्र कुमावत के प्रकाशित आर्टिकल्स संग्रह को देख आयुर्वेद हित में एक अच्छा प्रयास बताया और उनकी हौंसला अफजाई की गई। इस दौरान चेतन कुमावत, राकेश कुमावत, अभिषेक आदि उपस्थित रहे।

समय पर और अनुशासित रूप से निवेश करना शुरू कर देना चाहिए

मुंबई। आजकल के माता-पिता की सबसे बड़ी इच्छा होती है, अपने बच्चों के लिए शिक्षा के सर्वश्रेष्ठ अवसर सुरक्षित करना। इसके लिए, समय पर और अनुशासित रूप से निवेश करना शुरू कर देना चाहिए, ताकि न केवल बच्चों के ट्यूशन शुल्क की व्यवस्था हो सके, अपितु उनके रहने के एवं अन्य खर्चों का भी इंतजाम हो सके। खासकर जब बच्चा पढ़ने के लिए विदेश जाता है, तो इससे काफी ज्यादा मदद मिलती है। भारत में शिक्षा के क्षेत्र में महंगाई 8 प्रतिशत से 12 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है। आज जो डिग्री लेने में 30 लाख रुपये का खर्च आता है, वह दो दशकों के बाद बढ़कर 50 लाख रुपये से 1 करोड़ रुपये तक पहुँच सकता है। इस वास्तविकता को जानने के बाद एक ऐसे फंड का निर्माण करना बहुत आवश्यक हो जाता है, जो बढ़ती महंगाई की दर से अधिक और निश्चित वृद्धि प्रदान कर सके। अनुप सेठ, चीफ डिस्ट्रिब्यूशन ऑफिसर, एडलवाइस लाइफ इंश्योरेंस।

यह करने का सबसे प्रभावशाली तरीका मिलता है दोहरे दृष्टिकोण से। इसका मतलब है, वृद्धि के साथ गारंटी। यह दृष्टिकोण सुरक्षा से समझौता किए बगैर महंगाई से बचाव करता है। उदाहरण के लिए, गारंटीड चाईल्ड एजुकेशन प्लान 15 से 20 साल की अवधि के लिए डिजाईन किए गए हैं। ये प्लान व्यवस्थित, लक्ष्य पर केंद्रित बचत के माध्यम से वित्तीय अनुशासन विकसित करते हैं। आप ब्याज की गिरती दरों के बाद भी लंबे समय तक आकर्षक ब्याज दर प्राप्त करते हैं। आपका पैसा बाजार की अनिश्चितता से प्रभावित नहीं होता है, जो बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि शिक्षा एक ऐसी आवश्यकता है, जिसे बाद के लिए टाला नहीं जा सकता है। ये प्लान स्थिर और दीर्घकालिक वृद्धि प्रदान करने के लिए बनाए गए हैं। कंपाउंडिंग की मदद से ये प्लान एक बड़ी पूंजी का निर्माण करने में मदद करते हैं, जो शिक्षा के बढ़ते खर्च के साथ तालमेल में लगातार बढ़ती रहती है।

4 और 5 दिसंबर को आयोजित होगा शाहगंज महोत्सव

महोत्सव में आयोजित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह में शादी के पवित्र बंधन में बंधेंगे 751 से अधिक जोड़े

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज क्षेत्र की सांस्कृतिक धरोहर, पारंपरिक कला, संगीत और लोक संस्कृति को समर्पित भव्य शाहगंज महोत्सव 4 और 5 दिसंबर को रामलीला मैदान में आयोजित होगा। इस महोत्सव में सामूहिक विवाह भी आयोजित किया जाएगा। इसके अलावा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में प्रदर्शनी लगाकर आम जनमानस को जागरूक किया जाएगा। इस महोत्सव में प्रसिद्ध भोजपुरी कलाकार अपनी अद्भुत कला की शानदार प्रस्तुति से जलवा बिखेरेंगे। शाहगंज के विधायक रमेश सिंह के नेतृत्व में शाहगंज के महोत्सव को भव्य और ऐतिहासिक बनाने के लिए तैयारियां जोरों पर हैं। विधायक ने बताया कि यह महोत्सव 4 व 5 दिसंबर को नगर के रामलीला मैदान में आयोजित होगा। महोत्सव में पहले दिन मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह, जिसमें 751 से अधिक जोड़ों का पवित्र वैवाहिक संस्कार संपन्न होगा। सायंकाल गंगा आरती का दिव्य और भव्य आयोजन किया जायेगा। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदर्शनी के माध्यम से जन-जन तक पहुँचाई जायेगी। महोत्सव में चार चांद लगाने के लिए प्रसिद्ध भोजपुरी कलाकार अपनी अनोखी कला की शानदार प्रस्तुति देकर लोगों को मंत्रमुग्ध करेंगे। इसमें सांस्कृतिक झांकियाँ और पारंपरिक प्रस्तुतियाँ होंगी जिसमें स्थानीय कला, संस्कृति और प्रतिभा का अनोखा संगम होगा। उन्होंने क्षेत्र के लोगों से अपील करते हुए कहा कि अपने परिवार और साथियों के साथ इस अद्भुत सांस्कृतिक महोत्सव का हिस्सा बनें और शाहगंज की परंपरा, कला और उत्सवधर्मिता को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाएँ।

कल्याणकारी योजनाओं का महिलाओं को मिले अधिकतम लाभ: गीता बिन्द

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उ0प्र0 राज्य महिला आयोग की सदस्य श्रीमती गीता बिन्द द्वारा महिला से सम्बन्धित विभिन्न कल्याणकारी योजना का अधिकतम लाभ दिलाये जाने तथा महिला उत्पीड़न रोकथाम व महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाये जाने के उद्देश्य से 19 नवम्बर 2025 को प्रथम सत्र में निरीक्षण भवन लाइन बाजार, जौनपुर में महिला जन सुनवाई की गयी। जिसमे कुल 13 महिलाओं ने अपने आवेदन पत्र प्रस्तुत किये। 03 महिलाओं (भानवती, मंगला देवी व इन्द्रावती) पति के मृत्युपरांत निराश्रित महिला पेंशन के मामले को मौके पर निस्तारित कराया गया शेष मामलो में सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही कर 15 दिवस में आख्या प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया। तत्पश्चात सदस्या द्वारा निर्मला देवी के मकान पर, ग्राम-वीरभानपुर, ब्लाक-बक्शा में विभिन्न कल्याणकारी योजनायें विषयक चौपाल का आयोजन किया गया। महिलाओं को सम्बोधित करते हुए सदस्य श्रीमती गीता बिन्द द्वारा कहा गया कि प्रदेश सरकार पात्रता के अनुसार बिना किसी भेद भाव के सभी पात्रो को लाभ देने हेतु प्रतिबद्ध है। ब्लाक स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि गांव में कैम्प लगाकर योजनाओं से लोगो को लाभान्वित करें। कार्यक्रम में बाल संरक्षण अधिकारी, चन्दन राय द्वारा पति के मृत्युपरांत महिला पेंशन योजना, वृद्धावस्था पेंशन योजना, दिव्यांग पेंशन, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, स्पान्सरशिप योजना, उ0प्र0 मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के साथ ही 1098 चाइल्ड लाइन, 181 महिला हेल्पलाइन के बारे में विस्तार से जानकारी दी गयी। बाल विकास परियोजना बक्शा से उपस्थित मुख्य सेविका अर्चना गुप्ता द्वारा आंगनवाड़ी के माध्यम से समाज को दी जाने वाली सुविधाओं के बारे में बताया गया। नौपेड़वा स्वास्थ्य केन्द्र के अधीक्षक, डा0 जी0के0 सिंह द्वारा स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी दी गयी। महिला थानाध्यक्ष श्यामा तिवारी द्वारा मिशन शक्ति के बारे में बताते हुए विभिन्न हेल्प लाइन नं0 112, 1090, 108, 102 के बारे मे जानकारी दी गयी और पम्पलेट का वितरण किया गया। जनसुनवाई में डा0 राजीव यादव ए0सी0एम0ओ0, प्रतिमा वर्मा क्षेत्राधिकारी मछलीशहर, नरेन्द्र सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी, बाल विकास पुष्टाहार, चन्दन राय, बाल संरक्षण अधिकारी, महिला थानाध्यक्ष श्यामा तिवारी व उपनिरीक्षक मिथलेश कुमारी सहित अन्य उपस्थित रहे।

शिक्षक रामजनम बुद्ध देव मिश्रा का सेवा संपूर्ति एवं विदाई समारोह संपन्न

मुबंई (उत्तरशक्ति)। महानगरपालिका माध्यमिक विद्यालय राजडा नगर बोरीवली पश्चिम में शिक्षक रामजनम बुद्ध देव मिश्रा के सेवा संपूर्ति एवं विदाई समारोह का आयोजन अत्यंत भावपूर्ण एवं गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। यह कार्यक्रम परमपूज्य समारोह अध्यक्ष पूर्व उप-शिक्षणा अधिकारी अशोक मिश्रा के सान्निध्य और आशीर्वाद से आलोकित रहा। मुख्य अतिथि पूर्व अधिक्षक यशवंत सिंह, विशेष अतिथि भारत संचार निगम के अधिकारी देवेंद्र कुमार उपाध्याय, सम्मानित अतिथि ईश्वर चंद्र तिवारी, पूर्व लेखा अधिकारी मुंबई मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। रामजनम बुद्ध देव मिश्रा ने वर्ष 13 जनवरी 1994 में शिक्षक के रूप में अपनी सेवाएं प्रारंभ की थी। और उनका कार्यकाल पूर्ण सेवा 31 वर्ष 10 माह 13 दिन शिक्षक के रूप में तक अपनी सेवाएँ दी । शिक्षक के रूप में कार्य करते हुए आपने अपनी दक्षता और नेतृत्व क्षमता का परिचय दिया। अपने अद्वितीय मार्गदर्शन, समर्पण और निष्ठा से विद्यालय को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार के सभी शिक्षकगण, शिक्षकेत्तर कर्मचारी एवं पूर्व छात्राएँ उपस्थित रहीं। उपस्थिति में शिक्षक राजीव मिश्रा, अमरनाथ यादव, लक्ष्मी शंकर तिवारी, रमेश चंद्र मिश्रा, श्रीमती कारुलकर मैडम, दुर्गा प्रसाद मिश्रा, श्याम नारायण मिश्रा, गोपाल निषाद, दूदार्ना शेख, राजदा विद्यालय के सभी शिक्षक गोपाल निषाद, रविंद्र पाठक, अशोक सिंह, शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन की अध्यक्ष केपी सिंह चौहान, लज्जा मिश्रा, ट्विंकल मिश्रा, प्रतिभा पाठक, आराधना मिश्रा, डॉक्टर चंदन मिश्रा, दैनिक उत्तरशक्ति समाचार पत्र पत्रकार तारकेश्वर पांडे, महुआ चैनल की सुप्रसिद्ध गायिका श्रीमती ममता उपाध्याय एवं सुशील मिश्रा ने अपने लोकगीत के माध्यम से मनोरंजन किया। सूत्र संचालक राज्य पुरस्कार पुरस्कृत अरविंद तिवारी ने लोगों का सम्मान किया तथा आभार व्यक्तअशोक सिंह ने किया।

फिलपकार्ट ग्रुप ने अपने सप्लाई चेन से सालाना 21,000 टन से ज्यादा कचरा कम किया

ठाणे। भारत के घरेलू ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट ने सालाना 21,000 टन से ज्यादा कचरे को डायवर्ट करते हुए कूड़ाघरों में फेंके जाने से बचाया है। इसी के साथ कंपनी के 12 सर्टिफाइड केंद्रों का वेस्ट डायवर्जन रेट (कचरा डायवर्ट करने की दर) 96 प्रतिशत से ऊपर पहुंच गया है। कंपनी 2023 से जीरो वेस्ट की दिशा में प्रयासरत है और यह उपलब्धि इस दिशा में उल्लेखनीय पड़ाव है। कंपनी के प्रयासों से इसके आठ और केंद्रों को ग्रीन बिजनेस सर्टिफिकेशन इंक (जीबीसीआई) की तरफ से टू (टोटल रिसोर्स यूज एंड एफिशिएंसी) गोल्ड सर्टिफिकेशन मिला है। इस तरह देशभर में फ्लिपकार्ट के कुल 12 ऐसे केंद्र हो गए हैं जिन्हें टू गोल्ड सर्टिफिकेट मिला है। यह सर्टिफिकेट जिम्मेदारी के साथ कचरा प्रबंधन की दिशा में कंपनी के व्यापक एवं व्यवस्थित प्रयासों का प्रमाण है। टू सर्टिफिकेट ऐसे केंद्रों को दिया जाता है, जहां अपनी श्रेणी के सर्वश्रेष्ठ (बेस्ट इन क्लास) रिसोर्स मैनेजमेंट के तरीके अपनाए जाते हैं और रिडक्शन (कचरा कम करना), रीयूज (पुनः प्रयोग करना), रीसाइक्लिंग और रिकवरी के माध्यम से कम से कम 90 प्रतिशत कचरे को कूड़ाघरों में जाने से बचाते हैं। हाल ही में फ्लिपकार्ट के जिन केंद्रों को सर्टिफिकेट मिला है, उनमें आरडीसी कोलकत्ता, सांपका, फरुखनगर एफसीएससी, सांईधाम ग्रॉसरी और एफसी, आंजनेय, मेडचल एवं याकुबपुर शामिल हैं। इन केंद्रों से कुल 15,846 टन कचरा निकला, जिसमें से 15,221 टन कचरे को अलग-अलग तरीकों से डायवर्ट करते हुए कूड़ाघर तक नहीं जाने दिया गया। इस तरह 96 प्रतिशत का डायवर्जन रेट रहा। इससे पहले प्रमाणपत्र पाने वाले केंद्रों मालूर बीटीसी एफसी, रीनेसेंस एफसीएससी, उलुबेरिया एफसीएससी और फरुखनगर एफसी का प्रदर्शन भी शानदार है। इन केंद्रों से 6,537 टन कचरा निकला, जिसमें से 6,481 टन कचरे को डायवर्ट करते हुए 99 प्रतिशत का डायवर्जन रेट हासिल किया गया। इस उपलब्धि को लेकर फ्लिपकार्ट ग्रुप के हेड ऑफ सस्टेनेबिलिटी निशांत गुप्ता ने कहा, हमारी प्रगति इस भरोसे को दिखाती है कि कचरे को संसाधन के रूप में अपनाया जाना चाहिए। हमारे टू गोल्ड सर्टिफिकेट प्राप्त नेटवर्क का बढ़ना एक सतत व्यवस्था, जिम्मेदारी से परिचालन और हर दिन पर्यावरण के अनुकूल प्रक्रियाओं की जिम्मेदारी लेने वाली टीम के प्रयासों का नतीजा है। हमने 2023 में रखी गई मजबूत नींव पर आगे कदम बढ़ाया है और ज्यादा डाटा, बेहतर सकुलैरिटी एवं संसाधनों की दक्षता पर फोकस के साथ अपने प्रयासों को विस्तार दिया है। हम लगातार विकास कर रहे हैं और विकास के इस रास्ते पर बढ़ते हुए हम जिम्मेदारी के साथ कचरा प्रबंधन के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिससे पर्यावरण संरक्षण में मदद मिले और परिचालन में भी लाभ हो।

फंड्सइंडिया का नया डिजिटल अभियान SmartParentMove बच्चों के भविष्य के लिए समय पर निवेश करें

मुंबई। बाल दिवस के अवसर पर, भारत के प्रमुख ऑनलाइन निवेश प्लेटफॉर्म में से एक फंड्सइंडिया ने SmartParentMove नाम से एक डिजिटल अभियान शुरू किया है। इस अभियान का उद्देश्य माता-पिता को प्रोत्साहित करना है कि वे अपने बच्चों के भविष्य के लिए समय पर योजना बनाएं और समझदारी से निवेश करें। यह अभियान फंड्सइंडिया की मूल सोच, वित्तीय योजना तथा निवेश में उनकी विशेषज्ञता पर आधारित है। इसका उद्देश्य माता-पिता के लिए तेज ऑनबोर्डिंग, एकल-लॉगिन अकाउंट मैनेजमेंट, और दीर्घकालिक तथा कर-कुशल निवेश के माध्यम से अपने बच्चे के भविष्य की योजना बनाने में सक्षम बनाना है।यह अभियान एक साधारण लेकिन मजबूत समझ पर आधारित है: माता-पिता अपने बच्चों के लिए बड़े सपने देखते हैं, लेकिन कई बार वित्तीय योजना बनाने में देरी कर देते हैं, नतीजतन, जब बड़े खर्च सामने आते हैं तो वे शिक्षा और पर्सनल लोन के बीच फँस जाते हैं। SmartParentMoveइस सोच को बदलता है और यह संदेश देता है कि सही मायनों में प्यार और दूरदर्शिता वही है, जब माता-पिता समय रहते अपने बच्चे के लिए निवेश शुरू करें। यह अभियान इस जिम्मेदारी की तात्कालिकता और महत्त्व को रेखांकित करता है।

फंड्सइंडिया के ग्रुप सीईओ, अक्षय सप्रू कहते हैं, हमने अक्सर ऐसे माता-पिता की कहानियाँ सुनी हैं जो बाद में पछताते हैं कि काश उन्होंने अपने बच्चे के भविष्य के लिए, निवेश पहले ही शुरू कर दिया होता। रोजमर्रा की भागदौड़ में माता-पिता अक्सर बच्चे की शिक्षा की योजना बनाना टाल देते हैं। लेकिन समय बहुत तेजी से निकल जाता है, और पता भी नहीं चलता कि कब आपका बच्चा अपने सपनों को पूरा करने के लिए तैयार खड़ा है। उस समय कई माता-पिता मजबूरी में पर्सनल लोन लेते हैं, सोना गिरवी रखते हैं या कर्ज में फँस जाते हैं ताकि बच्चे के सपने पूरे हो सकें। और कई बार, जब लोन मिलना संभव नहीं होता, तो बच्चे के सपनों को ही त्यागना पड़ता है। हम इस स्थिति को बदलना चाहते हैं।

ट्रांसफॉर्मर की चिंगारी से लगी आग

आजमगढ़। कंधरापुर थाना क्षेत्र के मछली मार्केट में मंगलवार दोपहर एक ट्रांसफॉर्मर में शॉर्ट सर्किट से निकली चिंगारी से लगी आग से दो दुकानों में रखा सामान जलकर राख हो गया, जिससे व्यापारियों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। बताते चलें कि एनएच-233 के किनारे स्थित मछली मार्केट में लगे ट्रांसफॉर्मर के पास लालचंद्र शर्मा और अखिलेश सोनकर सहित कई दुकानदार अपनी गुमटी और छप्पर की दुकानों में व्यवसाय कर रहे थे। दोपहर करीब 12:30 बजे ट्रांसफॉर्मर में शॉर्ट सर्किट हुआ, जिससे निकली चिंगारी पास की दुकानों में फैल गई और फोम व अन्य ज्वलनशील सामान ने आग पकड़ ली।

रूट्स ऑफ किंडणेस फाउंडेशन ने भूमि-स्तर पर सेवा करने वाले "ग्राउंड हीरोज" को किया सम्मानित

मुंबई। रूट्स ऑफ किंडणेस फाउंडेशन द्वारा आयोजित विशेष कार्यक्रम में जमीन स्तर पर समाजसेवा और पत्रकारिता के माध्यम से उत्कृष्ट कार्य करने वाले समाजसेवकों और पत्रकारों को ग्राउंड हीरो अवॉर्ड 2025से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उत्तरशक्ति हिंदी दैनिक के संवाददाता सुखबिंदर सिंह (लाला भाई), श्रद्धा गोरगे, सज्जाद अली, सुंदरी ठाकुर, मन्सूर शेख, भारत की मुस्कान के संपादक अखिल खाटिक, साहिल केसरी के संपादक साहिल सहानी, साबण हिंदुस्तानी, हॅशटॅग मुंबई न्यूज के संपादक खालफान, महाराष्ट्र सनसनी के संपादक अश्फाक शेख, हमारा मुद्दा न्यूज के संपादक अस्लम खान, महाराष्ट्र सच न्यूज के पत्रकार जफर शेख, आरिफ अजीज, धनंजय दळवी, आमिर खान, ब्रिजेश सिंह, स्ट्रीट फाउंडेशन की शमशुमनी, आप तक से अजीज, तबस्सुम सहित कई समाजसेवक और पत्रकार शामिल रहे। फाउंडेशन की अध्यक्ष रेशमा खान ने कहा कि जमीनी स्तर पर कार्य करने वाले सेवादारों और पत्रकारों को अक्सर वह पहचान नहीं मिलती जिसके वे हकदार हैं। ये वही लोग हैं जो वास्तविक समस्याओं और जनता के मुद्दों को सामने लाते हैं, जिन्हें बड़े चैनल अक्सर नहीं दिखा पाते, उन्होंने कहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रेखा खान और डॉ. कंबर सिद्दीकी ने सभी सम्मानित प्रतिभागियों को सम्मान-चिन्ह प्रदान किए।

vNAR ने NEO के साथ की क्रांतिकारी साझेदारी की घोषणा

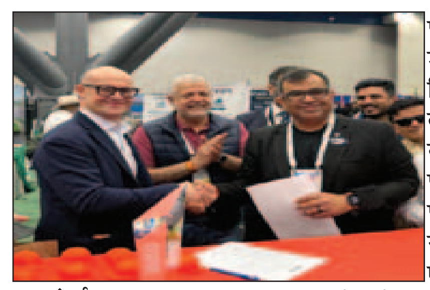

मुंबई, 19 नवम्बर 2025: नेशनल एसोसिएशन ऑफ रियाल्टर (एनएआर इंडिया) ने एनएआर एनएक्सटी ह्यूस्टन के दौरान न्यू एस्टेट ओनली (NEO) के साथ एक नई साझेदारी को औपचारिक रूप दिया है। यह समझौता एनएआर इंडिया के सदस्यों को अमेरिकी रियल एस्टेट बाजार के सबसे बड़े और तेजी से बढ़ते क्षेत्रों में से एक—न्यू-कंस्ट्रक्शन होम्स—तक सीधी पहुंच प्रदान करता है, जो अमेरिका की कुल आवासीय बिक्री का 33% से अधिक हिस्सा बनाते हैं। NEO एक समर्पित प्लेटफॉर्म है, जिसे संयुक्त राज्य अमेरिका में प्री-कंस्ट्रक्शन और अंडर-कंस्ट्रक्शन परियोजनाओं के लिए डेवलपर्स और रियाल्टर्स को एक साथ लाने के उद्देश्य से बनाया गया है। यह प्लेटफॉर्म अपडेटेड प्रोजेक्ट जानकारी, सहज नेविगेशन और एक विजुअल लेआउट को जोड़ता है, जो रियाल्टर्स, खरीदारों और निवेशकों को संबंधित अवसरों को कुशलता से खोजने में मदद करता है। यह रियाल्टर्स को यह भी सक्षम बनाता है कि वे अपनी खुद की वेबसाइटों पर बहुभाषी रूप में पूरे अमेरिकी न्यू-कंस्ट्रक्शन इन्वेंट्री को प्रदर्शित कर सकें, जिससे क्लाइंट एंगेजमेंट बढ़ता है। 2021 में मियामी एसोसिएशन के साथ लॉन्च होने के बाद से, ठएड फ्लोरिडा और टेक्सास में सबसे व्यापक रूप से उपयोग किया जाने वाला न्यू-कंस्ट्रक्शन प्लेटफॉर्म बन गया है और अब पूरे अमेरिका में विस्तार कर रहा है। इस प्लेटफॉर्म को लगातार दो वर्षों तक NAR US द्वारा REACH प्रोग्राम के तहत मान्यता प्राप्त हुई है और वर्तमान में यह दुनिया भर के 30 से अधिक रियाल्टर एसोसिएशन्स का समर्थन करता है। इस साझेदारी के माध्यम से, प्रत्येक vNAR सदस्य को NEO का निःशुल्क एक्सेस मिलेगा जिसका मूल्य लगभग 120 अमेरिकी डॉलर प्रति वर्ष है। बिना किसी शुल्क के प्रदान किया गया यह लाभ vNAR सदस्यों को अमेरिकी रियल एस्टेट और न्यू-कंस्ट्रक्शन सेल्स पर शैक्षिक वेबिनार, विस्तृत मार्केट रिपोर्ट्स और अंतरराष्ट्रीय व्यावसायिक संबंध बनाने के भविष्य के अवसरों तक पहुँच देता है। साझेदारी पर टिप्पणी करते हुए, सुमंथ रेड्डी, चेयरमैन, एनएआर इंडिया ने कहा, "NEO हमारे सदस्यों को एक प्रमुख वैश्विक बाजार तक सीधा मार्ग प्रदान करता है। यह साझेदारी हमारे अंतरराष्ट्रीय विस्तार को मजबूत करती है और उन रियाल्टर्स का समर्थन करती है जो अपना व्यवसाय भारत से बाहर ले जाना चाहते हैं।

ऑर्किड्स इंटरनेशनल स्कूल मुंबई में अपने वार्षिक कला प्रदर्शन की मेजबानी करने के लिए तैयार है

मुंबई। ऑर्किड्स द इंटरनेशनल स्कूल भारत की अग्रणी के12 स्कूल श्रृंखलाओं में से एक, अपनी प्रमुख कला और संस्कृति कार्निवल की मेजबानी करेगा,ह्यआर्टिवर्स 2025 - अभिव्यक्तियों की सिम्फनी23 नवंबर, 2025 को मुंबई स्थित अपने कुर्ला परिसर में। दिन भर चलने वाले इस समारोह का उद्देश्य संगीत, नृत्य, रंगमंच और दृश्य कलाओं के माध्यम से पारंपरिक कला रूपों को आधुनिक रचनात्मकता के साथ मिलाकर भारत की कलात्मक विरासत को श्रद्धांजलि अर्पित करना है। इस आयोजन में कुर्ला परिसर एक जीवंत कला ग्राम में परिवर्तित होता दिखाई देगा, जहाँ हर कोना भारत की सांस्कृतिक समृद्धि को प्रतिबिंबित करेगा - हाथ से चित्रित मधुबनी और वारली पृष्ठभूमि से लेकर रंगोली की स्थापना, टेराकोटा प्रदर्शन और स्थानीय शिल्प से प्रेरित पारंपरिक सजावट तक। आर्टिवर्स 2025 ढेर सारी प्रतियोगिताओं और प्रदर्शनों की मेजबानी करेगा - जिसमें ह्यबैटल ऑफ बैंड्स, लोक नृत्य प्रतियोगिता, थिएटर एक्ट के साथ-साथ ड्राइंग और पेंटिंग प्रतियोगिताभारतीय कला और संस्कृति पर आधारित। एक अनोखा सामुदायिक स्पर्श जोड़ते हुए, 'पैरेंट बाजारक्षेत्र इसमें मूल उद्यमियों द्वारा हस्तनिर्मित वस्तुओं, कलाकृतियों और घरेलू उत्पादों का प्रदर्शन किया जाएगा, जबकि फूड स्ट्रीट जोन - भारत का स्वाद इसमें क्षेत्रीय व्यंजन जैसेचाट, पाव भाजी,पाप और कुल्फी, एक प्रामाणिक उत्सवी माहौल का निर्माण करते हुए। अन्य मुख्य आकर्षणों में शामिल हैं रंगोली प्रतियोगिता क्षेत्र - हमारी संस्कृति के रंग,लाइव नुक्कड़ नाटक, नृत्य और जैमिंग कॉर्नर और रचनात्मक कला प्रतिष्ठान। संजीवनी जैन,ऑर्किड्स इंटरनेशनल स्कूल के अकादमिक उपाध्यक्ष ने कहा, डॉ. आर्टिवर्स 2025 - द सिम्फनी ऑफ एक्सप्रेशंस भारत की कलात्मक और सांस्कृतिक विरासत के प्रति एक भावपूर्ण श्रद्धांजलि है। इस वर्ष की थीम, 'भारतीय कला - रचनात्मकता और संस्कृति के रंग', हमारे छात्रों को पारंपरिक शिल्प, संगीत, नृत्य और रंगमंच की जीवंतता में डूबने का अवसर प्रदान करती है। श्वेता शिवदासानी,ऑर्किड्स द इंटरनेशनल स्कूल, कुर्ला परिसर के प्रधानाचार्य ने कहा,आर्टिवर्स 2025 हमारे इस विश्वास को दशार्ता है कि कला शिक्षा बच्चे के समग्र विकास का अभिन्न अंग है।

सुहैल खंडवानी को जन्मदिन पर शॉल और पुष्पगुच्छ देकर दी गई शुभेच्छाएँ

मुंबई। हाजी अली दरगाह और पीर मखदूम शाह दरगाह (माहिम दरगाह) के ट्रस्टी तथा खंडवानी ग्रुप के चेयरमैन सुहैल खंडवानी के जन्मदिन के अवसर पर उनके माहिम स्थित निवास खंडवानी रेसिडेंसी में एक सादे लेकिन गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने उन्हें शॉल और पुष्पगुच्छ भेंट कर जन्मदिन की हार्दिक शुभेच्छाएँ दीं। सुहैल खंडवानी एक प्रतिष्ठित व्यापारी होने के साथ-साथ अपने परोपकारी और सामाजिक कार्यों के लिए भी व्यापक रूप से जाने जाते हैं। वह विभिन्न सामुदायिक एवं सामाजिक संगठनों से जुड़े हुए हैं और लगातार समाजसेवा से संबंधित गतिविधियों में सक्रिय रहते हैं। कार्यक्रम में समाजसेवक, समाजसेविकाएँ, परिवर्तन संघटना, भामला फाउंडेशन, सनातन सेना फाउंडेशन, शिवसेना (शिंदे गट) के पदाधिकारी, गृह संकुल महाराष्ट्र व मुंबई की प्रतिनिधि श्रद्धा गोरगे, तथा सुखबिंदर सिंह (लाला भाई) सहित कई अन्य गणमान्य उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर सुहैल खंडवानी को जन्मदिन की शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। समारोह में पधारे सभी अतिथियों के लिए अल्पाहार की विशेष व्यवस्था की गई थी। सुहैल खंडवानी ने आगंतुकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनका स्नेह और साथ ही उनके लिए सबसे बड़ा उपहार है।